आज का विचार
याद रखें बुरा वक्त हमें यह जरूर सिखाता है कि अच्छा वक्त किसके साथ बिताना है।

दैनिक सिटी दर्पण
आईना सच का

3

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 9 जून, 2025 | वर्ष 23, अंक 141, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

मैतेई नेता की गिरफ्तारी के बाद मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, बिष्णुपुर जिले में पूर्ण कर्फ्यू, इंटरनेट सेवा बंद

पांच जिलों में बीएनएसएस की धारा 163 लागू, राज्यपाल से मिले विभिन्न दलों के 25 विधायक और सांसद के प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी (हि.स.)
इंफाल

मैतेई समुदाय के संगठन अरंबाई टेंगोल के अग्रणी नेता कन्हन सिंह को शनिवार रात सीबीआई गिरफ्तारी के बाद मणिपुर में फिर से हिंसा भड़क गई है। रविवार सुबह पूर्वी और पश्चिमी इंफाल से जलते हुए वाहनों, सड़क जाम और दुकानों के बंद होने की कई तस्वीरें आई हैं।

अशांति और दहशत के माहौल को देखते हुए इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। पुलिस और अर्धसैनिक बल संबंधित संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त कर रहे हैं। प्राप्त तस्वीरों में रात भर संगठित हिंसा के सबूत दिख रहे हैं। वहीं, प्रदेश के पांच जिलों में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर 25 विधायकों और एक सांसद के प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की। ताजा हिंसा पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से स्थिति से निपटने के लिए उचित कदम उठाने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से कर्फ्यू और इंटरनेट सेवा बाधित होने के मद्देनजर स्पष्टीकरण और उचित हस्तक्षेप की मांग की है। राज्यपाल से मुलाकात करन के बाद राजभवन से बाहर आए कांग्रेस विधायक ओकराम सूर्यकुमार ने चिंता जताते हुए कहा कि अरमबाई टेंगोल के पांच बेटों को गिरफ्तार किया गया है। उनकी गिरफ्तारी का कारण अभी बताया नहीं गया है। इससे लोगों में अशांति और दहशत का माहौल है। साथ ही इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। अगर सरकार ऐसे संवेदनशील कदम उठाना

चाहती है तो हमने राज्यपाल से इन सभी मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है।

इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में शामिल भाजपा विधायक खंगवंतबाम इबोम्चा ने अरंबाई टेंगोल के खिलाफ सरकार के रुख पर जोर देते हुए कहा, हमने गिरफ्तार सदस्यों की रिहाई के लिए राज्यपाल से अपील की है। सरकार ने हाल ही में आई बाढ़ के दौरान अरंबाई टेंगोल के योगदान को मान्यता दी है।

शनिवार रात कानन सिंह की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश में स्थिति और खराब हो गई। नागरिकों में व्यापक दहशत फैल गई। कई इलाकों में सड़क जाम और स्वतःस्फूर्त बंद हो रहे हैं। हिंसा को रोकने के लिए राज्य प्रशासन ने इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल और काकचिंग जिलों में सीआरपीसी की धारा 163 लागू कर दी है, जिसमें चार या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा बिष्णुपुर जिले में पूर्ण कर्फ्यू लगा दिया गया है।

कानन सिंह की गिरफ्तारी सीबीआई जांच से संबंधित है। अन्य चार लोगों को उस दिन घटना के दौरान उनके साथ होने के कारण गिरफ्तार किया गया था। इस संबंध में राज्यपाल ने आश्वासन दिया है कि, घटना की जांच चल रही है। अगर वे घटना में शामिल नहीं हैं, तो उन्हें जल्द रिहा कर दिया जाएगा।

मणिपुर के राज्यपाल ने सुरक्षा समीक्षा बैठक की

इंफाल। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने रविवार को मेइती संगठन के नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर राज्य भर में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक की। राजभवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की और भल्ला को राज्य की मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति से अवगत कराया। इसमें कहा गया, राज्यपाल ने वरिष्ठ प्रशासनिक और सुरक्षा अधिकारियों के साथ सुरक्षा समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान राज्य में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति से संबंधित विभिन्न मामलों पर व्यापक चर्चा और समीक्षा की गई। बैठक में सुरक्षा सलाहकार, पुलिस महानिदेशक, आयुक्त (गृह), राज्यपाल के सचिव, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था), आईजीएआर (एस), महानिरीक्षक, सीआरपीएफ तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। राजभवन की ओर से जारी बयान में कहा गया, आज विधायकों के एक समूह ने मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान विधायकों ने राज्यपाल को राज्य की वर्तमान कानून-व्यवस्था की स्थिति से अवगत कराया तथा सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने में मदद के लिए उनके हस्तक्षेप का अनुरोध किया। राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि चिंताओं को दूर करने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मेइती संगठन अरम्बाई तेंगोल के नेताओं की गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार रात मणिपुर में विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके बाद प्रशासन ने इंफाल घाटी के पांच जिलों में निषेधाज्ञा लागू कर दी और इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दीं।

राजग ने महिला नीत विकास को फिर से परिभाषित किया: मोदी

लोकसभा और कई विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज कर मोदी ने विरोधियों को हैरान किया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरे होने से एक दिन पहले रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने अपने 11 साल के कार्यकाल में महिला नीत विकास को पुनः परिभाषित किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि विज्ञान, शिक्षा, खेल, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों सहित सभी क्षेत्रों में महिलाएं उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और लोगों के लिए प्रेरणा बन रही हैं। उन्होंने कई कल्याणकारी कार्यक्रमों का हवाला देते हुए कहा कि इनसे महिलाओं को काफी लाभ हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत के माध्यम से गरिमा सुनिश्चित करने से लेकर जन धन खातों के जरिए वित्तीय समावेशन तक, विभिन्न पहलों में महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि जहां धुआं मुक्त रसोई प्रदान करते हुए उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को गैस सिलेंडर मिले, वहीं मुद्रा ऋण ने लाखों महिला उद्यमियों को खुद की शर्तों पर अपने सपने पूरे करने में सक्षम बनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं के नाम पर बने घरों ने भी उल्लेखनीय प्रभाव डाला है।

मोदी ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम ने बालिकाओं की सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय आंदोलन की लौ जगाई। प्रधानमंत्री ने सरकार द्वारा संचालित उन पहलों संबंधी पोस्ट भी साझा किए जिनमें सरकारी योजनाओं द्वारा महिलाओं को दिए गए लाभों को सूचीबद्ध किया गया। इन पोस्ट में कहा गया है कि देश में जीवित जन्मों (लाइव बर्थ) पर मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) 2011-13 में प्रति लाख 167 से घटकर 2019-21 में प्रति लाख 93 हो गया और नल से जल प्राप्त करने वाले घरों की संख्या अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ से बढ़कर मई 2025 में 15.64 करोड़ हो गई।

इनमें महिलाओं के लिए कई अन्य कल्याणकारी कदमों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक रसोई गैस कनेक्शन दिए गए। प्रधानमंत्री ने पोस्ट में कहा, हमारी माताओं-बहनों और बेटियों ने वह दौर भी देखा है, जब उन्हें कदम-कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता था लेकिन आज वे ना सिर्फ विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं, बल्कि शिक्षा और व्यवसाय से लेकर हर क्षेत्र में मिसाल कायम कर रही हैं। बीते 11 वर्ष में हमारी नारीशक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं।

मोदी के शानदार प्रदर्शन से विपक्ष भी हैरान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ जून 2024 को जब तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी, तो उस वक्त राहुल गांधी बेहद उत्साहित नजर आये थे क्योंकि लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने दम पर बहुमत हासिल करने से चूक गई थी, जबकि चुनाव प्रचार अभियान के दौरान उसने 543 सदस्यीय निचले सदन में 400 से अधिक सीट जीतने का दावा किया था। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद आलोचकों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू और जदयू नेता नीतीश कुमार पर निर्भरता को रेखांकित किया था। आलोचकों ने कहा था कि नायडू और कुमार का गठबंधन बदलने का इतिहास रहा है और उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में लोकसभा चुनाव में इसका (भाजपा) प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा है, जिससे भविष्य में राजनीतिक उथल-पुथल की संभावना है। कांग्रेस के एक नेता ने कहा था, हमने मोदी को मनोवैज्ञानिक रूप से खत्म कर दिया है। उनकी सरकार को जल्द ही सत्ता से हटा दिया जायेगा। सोमवार को मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ तथा कुल मिलाकर 11वीं वर्षगांठ मनायेगी और प्रधानमंत्री पहले की ही तरह मजबूत स्थिति में और पूरे आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व करते नजर आ रहे हैं। वहीं, उनके दो प्रमुख सहयोगी (नायडू और कुमार), जिन्हें विपक्ष बैसाखी बता रहा था, न केवल भरोसेमंद साबित हुए हैं, बल्कि जमकर मोदी के नेतृत्व की सराहना कर रहे हैं। भाजपा ने अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक पहुंच को नये सिरे से तैयार करने के लिए फिर से काम शुरू किया है और विधानसभा चुनावों में आश्चर्यजनक रूप से बड़ी जीत हासिल करके अपनी गति फिर से हासिल कर ली। लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन हरियाणा और महाराष्ट्र में उम्मीद से कम रहा था, लेकिन इस पार्टी ने अपने कल्याणकारी उपायों और क्षेत्रीय नेतृत्व के प्रयासों से स्थिति को बदल दिया और विधानसभा चुनाव में इन दोनों राज्यों में जीत हासिल की। भाजपा ने अंततः 26 वर्षों के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी जीत हासिल की और अपने प्रतिद्वंद्वी आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को पछाड़ दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और केजरीवाल जैसे अन्य भाजपा के प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस से दूर हो गए हैं और शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (एसपी) जैसे दलों का भविष्य अनिश्चित है। दिल्ली विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर मनोज कुमार इस बात पर जोर देते हैं कि विपक्ष द्वारा मोदी के खिलाफ लड़ाई में विफल रहने के बावजूद मोदी के नेतृत्व की स्थिति लगभग निर्विवाद है। उन्होंने कहा, राजनीति में किसी भी मोड़ पर हमेशा अवसर और चुनौतियां होती हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि जब तक प्रधानमंत्री मोदी हैं, उनका कोई ठोस विकल्प नहीं है।

सरकार कर रही है लैब से लैंड की रणनीति पर काम: शिवराज चौहान

कृषि मंत्री का बेंगलुरु में किसानों से संवाद

एजेंसी (हि.स.)
बेंगलुरु

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत किसानों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए सरकार लैब से लैंड की रणनीति पर काम कर रही है, जिससे कि वैज्ञानिकों के शोध का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को फूड बास्केट बनाने की दिशा में भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। विकसित कृषि संकल्प अभियान के 11वें दिन केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान बेंगलुरु पहुंचे। उन्होंने यहां भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में किसानों से संवाद किया। इस बीच उन्होंने कहा कि उन्हें यहां आकर गर्व महसूस हो रहा है। शोध के क्षेत्र में वैज्ञानिकों के प्रयास सराहनीय हैं। बेंगुलरु ग्रामीण और आस-पास के क्षेत्रों में बागवानी में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। किसानों ने स्वयं भी कई प्रकार के शोध और प्रयोग करके कृषि नवाचार में नए अध्याय जोड़े हैं। ड्रैगन फ्रूट की खेती का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि तीसरे वर्ष से इसमें 6झ 7 लाख रुपये प्रति एकड़ तक का मुनाफा संभव है। उन्होंने बताया कि आज मैंने ड्रैगन फ्रूट की खेती देखी। मुझे जानकारी मिली की ड्रैगन फ्रूट की खेती में पहले दो वर्ष तक उतना फायदा नहीं होता, लेकिन तीसरे साल के बाद 6 से 7 लाख रुपये आसानी से बचाए जा सकते हैं। टमाटर के खेतों का भी भ्रमण किया मुझे किसान भाइयों ने ही बताया, कई बार कीमतों में उतार-चढ़ाव के बाद भी 3 से 4 लाख रुपये प्रति एकड़ कमाया जा सकता है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज भी 50 प्रतिशत आबादी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। जीडीपी में 18 प्रतिशत हिस्सेदारी कृषि क्षेत्र की है। साथ ही इस वर्ष चौथी तिमाही में जीडीपी की विकास दर 7.5 प्रतिशत है, जिसमें कृषि का योगदान 5.4 प्रतिशत है। कृषि में 1 या 2 प्रतिशत की विकास दर बड़ी मानी जाती है। उस लिहाज में यह समझा जा सकता है कि किस प्रकार हम कृषि क्षेत्र में उन्नति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। कृषि मंत्री ने इस मौके पर नकली बीज और कीटनाशकों का कारोबार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी और बताया कि इस संबंध में नया कानून लाया जा रहा है। टमाटर, आलू और प्याज की फसलें यदि किसान अधिक कीमत वाली जगहों पर भेजना चाहें, तो केंद्र सरकार परिवहन लागत वहन करेगी। कार्यक्रम में स्थानीय सांसद एम.सी. सुधाकर, वैज्ञानिक, छात्र और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

विदेश मंत्री जयशंकर 8 से 14 जून तक फ्रांस, यूरोपीय संघ और बेल्जियम की यात्रा पर

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर आज (8 जून) से 14 जून तक फ्रांस, यूरोपीय संघ और बेल्जियम की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। यह यात्रा भारत के तीन प्रमुख साझेदार देशों के साथ रणनीतिक सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल मानी जा रही है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार यह यात्रा भारत और इन तीनों साझेदारों के संबंधों को और गहरा बनाएगी तथा बहुपक्षीय सहयोग को नई दिशा देगी।

फ्रांस और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। दोनों देशों के बीच गहरा विश्वास और बहुआयामी सहयोग है। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री पेरिस और मार्सैय जाएंगे। वे फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री जीन नोएल बैरोट से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा वे फ्रांस के वरिष्ठ नेताओं, थिंक टैंक और मीडिया से भी संवाद करेंगे। वे मार्सैय में आयोजित हो रहे विदेश मंत्री मैक्सिम प्रीवोट के उद्घाटन संस्करण में भी भाग लेंगे।

यूरोपीय संघ के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी हाल के वर्षों में कई क्षेत्रों में मजबूत हुई है। इस वर्ष फरवरी में यूरोपीय आयोग के प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा इसके प्रमाणस्वरूप है। ब्रसेल्स में विदेश मंत्री यूरोपीय संघ की उच्च प्रतिनिधि काजा कैलास के साथ रणनीतिक संवाद करेंगे। इसके साथ ही वे यूरोपीय आयोग, यूरोपीय संसद के वरिष्ठ नेताओं तथा नीति विशेषज्ञों से मिलेंगे।

पैसे की लालच में अकाली दल ने एस.जी.पी.सी. को 'शिरोमणि गोलक प्रबंधक कमेटी' बना कर रख दिया: भगवंत मान

संवाददाता
अमृतसर

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज अकाली नेताओं पर तीखा निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पैसे के लालच में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एस.जी.पी.सी.) को 'शिरोमणि गोलक प्रबंधक कमेटी' बना कर रख दिया।

यहां सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बादलों ने धार्मिक मामलों में दखल देने के लिए अपनी राजनीतिक ताकत का दुरुपयोग किया और यहां तक कि अपने निजी हितों के लिए श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदारों की नियुक्ति में पारदर्शिता और निष्पक्षता नहीं रखी। उन्होंने दावा किया कि पैसे की लालच में अकालियों ने सिखों की प्रतिष्ठित संस्था शिरोमणि कमेटी की पवित्रता को ठेस पहुंचाई है और संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए शिरोमणि कमेटी और श्री अकाल तख्त साहिब, दोनों का दुरुपयोग किया। भगवंत सिंह मान ने अकालियों द्वारा लोगों

को अंधेरे में रखने और अपने एजेंडे पूरे करने के लिए श्री अकाल तख्त साहिब के हुक्मों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अकालियों ने न सिर्फ सरकारी खजाने को बल्कि धार्मिक संस्थाओं से संबंधित फंडों को भी लूटा। उन्होंने अकाली शासन की सख्त आलोचना करते हुए कहा कि इन्होंने राजनीतिक और धार्मिक तौर पर शोषण किया जिससे पंजाब को बहुत ज्यादा नुकसान भुगतना पड़ा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अकाली नेतृत्व के दौरान गरीबों को नजरअंदाज किया जाता था जबकि प्रभावशाली लोगों ने राज्य को लूटा।

चुनाव आयोग की दोबारा अपील, लिखित शिकायत दें या मिलने आएं राहुल

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी को सार्वजनिक मंचों से आरोप लगाने की बजाय सीधा आयोग से संवाद की अपील की है। आयोग का कहना है कि आरोप लगाने के स्थान पर उन्हें अपनी शिकायतों को लिखित तौर पर आयोग को देना चाहिए और समय निकाल कर मुलाकात करनी चाहिए।

सूत्रों का कहना है कि प्रक्रिया के अनुसार सार्वजनिक जानकारी है कि चुनाव आयोग सहित कोई भी संवैधानिक संस्था, तभी औपचारिक रूप से प्रतिक्रिया देती है जब संबंधित व्यक्ति लिखित में पत्र भेजता है। यह भी आश्चर्यजनक है कि ₹राहुल गांधी एक ओर इन मुद्दों को बेहद गंभीर बता रहे हैं लेकिन जब उन्हें लिखित रूप में देने की बात आती है, तो पीछे हट जाते हैं।₹ दूसरी ओर, जब कांग्रेस को 15 मई को आयोग से मिलने का आमंत्रण दिया गया, तब उसने आगे मिलने के लिए समय माँग लिया और पीछे हट गई। चुनाव आयोग के सूत्रों ने राहुल गांधी की चुप्पी पर आश्चर्य जताया है। आयोग ने कहा कि 24 घंटे बीतने के बाद भी राहुल गांधी ने न तो कोई पत्र लिखा और न ही मिलने का समय माँगा। वे अपने आरोपों को गंभीर बताते हैं लेकिन उन्हें लिखित रूप में देने से बच रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि वास्तव में राहुल गांधी ने महाराष्ट्र में कांग्रेस उम्मीदवारों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों, पोलिंग और काउंटिंग एजेंटों की आलोचना कर दी है। दूसरी ओर, आयोग द्वारा पूरे देश में नियुक्त 10.5 लाख बूथ लेवल अधिकारी, 50 लाख पोलिंग अधिकारी और 1 लाख काउंटिंग सुपरवाइजर उनके इन निराधार आरोपों से नाराज हैं, जो उनकी ईमानदारी और मेहनत पर सवाल उठाते हैं।

वहीं, सीसीटीवी फुटेज को लेकर आयोग का कहना है कि किसी भी चुनाव याचिका में उच्च न्यायालय मतदान केंद्रों की सीसीटीवी फुटेज की जाँच कर सकता है। यह व्यवस्था चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने और मतदाताओं की गोपनीयता की रक्षा के लिए है। ऐसे में राहुल गांधी या उनके एजेंट मतदाताओं की गोपनीयता क्यों भंग करना चाहते हैं? क्या उन्हें उच्च न्यायालयों पर भी भरोसा नहीं है?

उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर पांच बिंदुओं पर कथित चुनावी गड़बड़ियों की बात कही थी। इनमें चुनाव आयुक्त पैनल की नियुक्ति में पक्षपात, फर्जी मतदाताओं का नाम जोड़ना, मतदान प्रतिशत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना, टारगेटेड बूथों पर बोगस वोटिंग और सीसीटीवी रिकॉर्ड न देने जैसे मुद्दे शामिल थे।

चुनाव आयोग ने इन सभी विषयों का जवाब दिया है। आयोग का कहना है कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति वर्तमान सरकार के कार्यकाल में ही तीन सदस्यीय पैनल के माध्यम से शुरू हुई है। इसके पहले सरकारें सीधी नियुक्ति किया करती थी। मतदाता, मतदान प्रतिशत तथा बोगस वोटिंग के आरोपों पर आयोग ने चुनावी प्रक्रिया की ओर ध्यान कराया है।

अतिक्रमणकारी सरकारी जमीन पर कब्जा जारी रखने के अधिकार का दावा नहीं कर सकते : अदालत

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि अतिक्रमणकारी केवल इस आधार पर सरकारी जमीन पर कब्जा जारी रखने के अधिकार का दावा नहीं कर सकते कि उनके पुनर्वास दावों का समाधान नहीं हुआ है, क्योंकि इससे सार्वजनिक परियोजनाओं में अनावश्यक बाधा उत्पन्न होगी। उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को दक्षिण दिल्ली के कालकाजी स्थित भूमिहीन कैंप में कानून के अनुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने की अनुमति देते हुए की। न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा ने कहा कि रिट याचिकाएं न केवल कई पक्षों के

गलत तरीके से जुड़े होने के कारण त्रुटिपूर्ण थीं, बल्कि दिल्ली झुग्गी और झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन नीति द्वारा निर्धारित आवश्यक मानदंडों को भी पूरा नहीं करती थीं, जिसके आधार पर पुनर्वास और पुनर्स्थापन के लिए पात्रता तय की जाती है। अदालत ने छह जून को सुनाए गए अपने आदेश में कहा, किसी भी याचिकाकर्ता को जेजे. क्लस्टर पर लगातार कब्जा बनाए रखने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है, जिससे आम जनता को नुकसान हो। अदालत ने लगभग 1,200 लोगों से संबंधित याचिकाओं पर यह फैसला सुनाया। याचिका में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को आगे किसी भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को रोकने, स्थल पर यथास्थिति बनाए रखने, और याचिकाकर्ताओं को उनकी संबंधित झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों से जबरन बेदखल न करने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं ने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) को प्रभावित निवासियों का उचित और व्यापक सर्वेक्षण करने तथा 2015 की नीति के अनुसार उनका पुनर्वास करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया था।

हिमाचल में सैलानियों की बहार, शिमला और मनाली में 80 फीसदी होटल पैक

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में इस समय समर सीजन चरम पर है और सैलानियों की आमद ने राज्य के पर्यटन उद्योग को नई रफ्तार दे दी है। मई में मौसम के खराब रहने और अंतरराष्ट्रीय तनाव के कारण भले ही पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई थी, लेकिन जून के पहले हफ्ते में ही पर्यटन गतिविधियों में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। खासकर शिमला, मनाली, धर्मशाला और डलहौजी जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

दरअसल उत्तर भारत के मैदानी राज्यों पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में लोग राहत पाने के लिए पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों में चल रही गर्मियों की छुट्टियों ने भी इस पर्यटन सीजन को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका निभाई है। परिवारों के साथ ट्रिप पर आने वाले पर्यटकों की संख्या में खासा इजाफा देखने को मिल रहा है, जबकि सिंगल ट्रैवलर की संख्या तुलनात्मक रूप से कम है।

शिमला के होटल और सड़कों पर दिख रही भीड़ से साफ है कि यह सीजन पर्यटन व्यवसाय के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रहा है।

शिमला होटलियर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रिंस कुकरेजा के अनुसार होटलों में सप्ताहांत के दौरान 80 फीसदी तक कमरे बुक हो चुके हैं, जबकि सप्ताह के अन्य दिनों में भी 60 से 70 फीसदी तक ऑक्यूपेंसी बनी हुई है। यह जून का सबसे बेहतर ट्रेंड माना जा रहा है। शिमला में पर्यटकों की भारी आमद के कारण शहर की सड़कों पर रोजाना ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। खासकर आईएसबीटी बाईपास से लेकर लोकल बस स्टैंड तक का करीब 3 से 4 किलोमीटर का सफर तय करने में एक से डेढ़ घंटे का समय लग रहा है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से आने वाले पर्यटकों की गाड़ियां इसी मार्ग से गुजरती हैं, जिससे ट्रैफिक लोड काफी बढ़ गया है। स्थानीय प्रशासन को ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती करनी पड़ी है। मनाली में भी पर्यटकों की भीड़ से होटल व्यवसायियों के चेहरे खिले हुए हैं। यहां के अधिकांश होटलों में 80 फीसदी ऑक्यूपेंसी दर्ज की जा रही है। वहीं विश्व प्रसिद्ध रोहतांग दर्रे पर भी हर दिन हजारों की संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं।

स्थानीय टैक्सी ऑपरेटरों को भी इस सीजन में भरपूर काम मिल रहा है। पिकअप, ड्रॉपिंग और साइट सीन के लिए टैक्सी सेवाओं की मांग लगातार बनी हुई है। टूर ऑपरेटरों का कहना है कि आगामी हफ्तों में बुकिंग और बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि मैदानी क्षेत्रों में गर्मी का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा।

मौसम विभाग ने भी आगामी तीन दिनों के लिए गर्मी में और बढ़ोतरी की संभावना जताई है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में सैलानियों की संख्या और अधिक बढ़ेगी। जून महीने के अंत तक हिमाचल के प्रमुख हिल स्टेशनों पर होटल और होम-स्टे पूरी तरह भरे रहने की संभावना है।

दूध पर एमएसपी लागू करने वाला पहला राज्य बना हिमाचल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

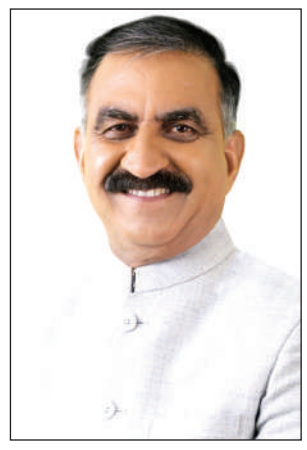

हिमाचल प्रदेश सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जिसने दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू किया है। इसके तहत प्रदेश सरकार रोजाना 2.32 लाख लीटर दूध पशुपालकों से खरीद रही है, जिससे हजारों किसानों और पशुपालकों की आय में सीधा इजाफा हो रहा है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिमाचल लगभग 38,400 पशुपालकों से औसतन 2.25 लाख लीटर गाय का दूध 51 रुपये प्रति लीटर की दर से और 1,482 भैंस पालकों से 7,800 लीटर दूध 61 रुपये प्रति लीटर की दर से खरीद रही है। इसके साथ ही सरकार ने दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों में दूध पहुंचाने की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए 2 रुपये प्रति लीटर का परिवहन भत्ता भी देना शुरू किया है। इससे किसानों की लागत में कमी आई है और बाजार तक पहुंच आसान हुई है।

उन्होंने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए भी सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। राज्य की दूध सहकारी समितियों को प्रोत्साहित करने के लिए परिवहन भत्ता बढ़ाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। यह सुविधा उन सभी समितियों को मिल रही है जो सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 और हिमाचल प्रदेश को-ऑपरेटिव सोसायटीज एक्ट, 1968 के अंतर्गत पंजीकृत हैं। इस योजना पर सरकार हर साल करीब छह करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार की ह्यहिम गंगाह्न योजना के तहत डेयरी क्षेत्र में ग्रामीण स्तर पर बड़ा बदलाव देखने को मिला है। कांगड़ा और हमीरपुर जिलों में 268 नई दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित की गई हैं। इनमें कांगड़ा में 222 समितियां सक्रिय हैं जिनसे 5,166 किसान जुड़े हैं। हमीरपुर जिले में 46 समितियां बनी हैं, जिनमें से 20 महिला समितियों का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। यह कदम ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

इसके साथ ही राज्य सरकार ने बकरी पालन को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट परियोजना भी शुरू की है। इसके तहत 15 बकरी पालकों से प्रतिदिन 100 लीटर दूध 70 रुपये प्रति लीटर की दर से खरीदा जा रहा है। यह योजना पर्वतीय क्षेत्रों में विविध डेयरी विकल्पों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

उन्होंने बताया कि इन योजनाओं से न केवल पशुपालकों की आय बढ़ेगी, बल्कि सहकारी ढांचे के माध्यम से ग्रामीण विकास और सामाजिक

जीप खाई में गिरी, दो की मौत, 20 घायल

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के गोहर उपमंडल में रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे ने इलाके को गमगीन कर दिया। ग्राम पंचायत शाला के सनपालू नाला के पास एक मालवाहक जीप अनियंत्रित होकर लगभग 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 20 अन्य घायल हुए हैं। सभी लोग एक बुजुर्ग के अंतिम संस्कार में भाग लेने मझोठी गांव जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार यह दुर्घटना उस समय हुई जब भूरला और झमाड़ गांव के निवासी एक मालवाहक जीप में सवार होकर मझोठी गांव में एक बुजुर्ग के अंतिम संस्कार में भाग लेने जा रहे थे। जैसे ही जीप सनपालू नाला के पास पहुंची, चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन गहरी खाई में चट्टानों के बीच जा समाया। जीप में क्षमता से अधिक लोग सवार थे, जो हादसे की एक बड़ी वजह मानी जा रही है। इस भीषण हादसे में बोधराज पुत्र लछीराम और नीलमणि पुत्र शाहडू, दोनों निवासी भूरला गांव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं घायल हुए लोगों में कृष्ण चंद, डोला राम, कुरम देव, किरणा, प्रवीण, डोलमा, जुद्धया, परम देव, केसर सिंह, द्रोम्पति, देशराज, मान दास समेत कई अन्य शामिल हैं।

ग्रामीणों ने किया राहत कार्य, पुलिस जांच जारी

हादसे की आवाज और चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया। इसके बाद गोहर थाना पुलिस और एंबुलेंस टीमें भी मौके पर पहुंचीं। घायलों को सिविल अस्पताल गोहर में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायलों को लाल बहादुर शास्त्री मेडिकल कॉलेज नेरचौक रेफर किया गया। एसपी मंडी साक्षी वर्मा ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। तहसीलदार गोहर कृष्ण कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और प्रशासन की ओर से घायलों और मृतकों के परिजनों को तात्कालिक राहत राशि प्रदान की गई। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि घायलों को हर संभव सहायता और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

नेता प्रतिपक्ष ने जाना घायलों का हाल

हादसे की सूचना मिलते ही पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, नाचन विधायक विनोद कुमार के साथ नेरचौक मेडिकल कॉलेज पहुंचे और घायलों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी और अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराया जाए।

शूलिनी मेले के नाम पर फजीर्वाड़े का आरोप, भाजपा ने मांगी जांच

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

विपक्षी दल भाजपा ने सोलन के राज्य स्तरीय शूलिनी मेले के नाम पर फजीर्वाड़े का आरोप लगाया है। पार्टी के प्रवक्ता चेतन ब्रागटा ने रविवार को इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि इस मामले में सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता सामने आ रही है और इसकी कड़ियों तक पहुंचना आवश्यक है। ब्रागटा ने कहा कि सोलन जिले के नालागढ़ क्षेत्र में एक प्रिंटिंग प्रेस में राज्य स्तरीय शूलिनी मेले के नाम पर 1200 फर्जी पर्चियां छापी गईं। इन पर्चियों का प्रयोग स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों से धन वसूलने के लिए किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरा कार्य एक डिपो संचालक द्वारा अंजाम दिया गया, जिसे एक फूड इंस्पेक्टर द्वारा एक मूल पर्ची सौंपी गई थी। उसी असली पर्ची के आधार पर नकली पर्चियों की छपाई करवाई गई। भाजपा प्रवक्ता ने इस पूरे घटनाक्रम को सुनियोजित भ्रष्टाचार करार दिया और कहा कि इन पर्चियों में स्कैन कोड और डीसी सोलन की ईमेल आईडी तक प्रकाशित है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फजीर्वाड़ा किस स्तर तक पहुंचा है। इतना ही नहीं, पर्ची में जिस प्रिंटिंग प्रेस में छपाई हुई, उसका नाम तक अंकित नहीं है जिससे प्रेस की भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में शामिल अधिकारियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त हो सकता है क्योंकि बिना राजनीतिक संरक्षण के इतनी बड़ी धोखाधड़ी संभव नहीं है। चेतन ब्रागटा ने

यह भी दावा किया कि फूड इंस्पेक्टर की भूमिका की भी जांच चल रही है, जिसने डिपो संचालक को असली पर्ची दी थी। भाजपा ने इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। चेतन ब्रागटा ने कहा कि जांच में किसी भी स्तर पर तथ्य छुपाने या मिटाने का प्रयास नहीं होना चाहिए। भाजपा यह भी मांग करती है कि इस मामले में शामिल किसी भी अधिकारी या व्यक्ति को बख्शा न जाए और उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि शूलिनी मेला सोलन जिला की अधिष्ठात्री देवी मां शूलिनी के सम्मान में हर वर्ष बड़े धूमधाम से आयोजित किया जाता है। यह जिला का प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव माना जाता है।

संक्षिप्त-समाचार

भुंतर में हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

कुल्लू। जिला कुल्लू के थाना भुंतर के अंतर्गत पुलिस ने नशा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। नशा तस्करी का मामला उस दौरान सामने आया जब पुलिस थाना भून्तर की टीम सिऊंड में गश्त कर रही थी। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी ली गई जिसके कब्जे से 10 ग्राम चिट्टा/ हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने नशे की खेप को कब्जे में लेकर आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधीक्षक डॉ कार्तिकेयन ने बताया कि आरोपी की पहचान साहिल परमार (36) पुत्र श्री सुरेश परमार निवासी गांव कहुधार डाकघर व तहसील भून्तर जिला कुल्लू के रूप में हुई है । उक्त व्यक्ति के विरुद्ध पुलिस थाना भून्तर में मादक पदार्थ अधिनियम की धारा 21 के अंतर्गत मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पुलिस द्वारा पूरी की जा रही है।

छात्रों के बीच भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देने के लिए समर कैंप शुरू

कठुआ। इंडियन पब्लिक स्कूल किड्जी कठुआ द्वारा 09 जून से भारतीय भाषा पर केंद्रित समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य छात्रों के बीच भारतीय भाषाओं और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने और भाषा शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि 9 जून 2025 से शुरू होने वाले 6 दिनों के समर कैंप का आयोजन सीबीएसई शीर्षक भारतीय भाषा के तहत एनसीईआरटी और डीआईईटी के सहयोग से करने जा रहा है। जिसका विषय क्षेत्रीय भाषा यानी डोगरी के होंगे। उन्होंने बताया कि कक्षा 1 से लेकर 9वीं तक के छात्र समर कैंप में भाग लेंगे और इसकी अवधि 4 घंटे की होगी। समर कैंप 7 दिनों का होगा और हर दिन छात्रों को क्षेत्रीय भाषा डोगरी के नए विषयों का अनुभव होगा। वहीं अभिभावकों से अनुरोध करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों को समर कैंप के लिए स्कूल भेजें और उन्हें क्षेत्रीय भाषा के बारे में अधिक ज्ञान प्राप्त करने में सहायता करें और समर कैंप के लिए बच्चों का नामांकन करवाएं। उनसे यह भी अनुरोध किया गया कि वे समर कैंप के सुचारू संचालन के लिए छात्रों को अपने वाहन से स्कूल छोड़ें और ले जाएँ। इस उद्देश्य के लिए माता-पिता के योगदान की हमेशा सराहना की जाएगी और उसे स्वीकार किया जाएगा।

गरीबों को भोजन कराना, ईश्वर की सच्ची सेवा है: बलबीर

जम्मू। गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हुए गुरु रविदास विश्व महा पीठ के राष्ट्रीय महासचिव, ब्रिटिश रविदासीय हेरिटेज फाउंडेशन के भारतीय शाखा के महासचिव और बेगमपुरा विश्व महासभा के सदस्य बलबीर राम रतन ने जम्मू शहर के प्रमुख समाज सेवी और व्यवसायी प्रेम गुप्ता द्वारा संचालित लंगर में शामिल होकर सैकड़ों लोगों को भोजन वितरित किया। यह लंगर पिछले तीन महीनों से अधिक समय से लगातार चल रहा है और प्रतिदिन सैकड़ों गरीबों को निशुल्क, सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रेम गुप्ता द्वारा किए जा रहे इस सराहनीय कार्य पर बोलते हुए बलबीर राम रतन ने कहा हम मंदिरों में पूजा-पाठ करते हैं हवन और धार्मिक आयोजन कराते हैं लेकिन अगर हमारे आसपास कोई भूखा सो रहा है और हम उसकी मदद नहीं कर पा रहे तो हमारी भक्ति अधूरी रह जाती है। ईश्वर की सच्ची सेवा भूखों को भोजन कराना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भी अपने जीवन में सेवा को स्थान दें और सप्ताह में कम से कम एक दिन किसी भूखे को भोजन कराने का संकल्प लें। यदि हर व्यक्ति इस दिशा में थोड़ा-सा भी योगदान दे तो समाज से भूख की समस्या काफी हद तक समाप्त की जा सकती है। बलबीर ने कहा कि समाज की असली पहचान उसके सबसे कमजोर वर्ग के प्रति संवेदनशीलता से होती है। उन्होंने कहा कि जब हम भूखे को भोजन देते हैं तो वह केवल पेट भरने का कार्य नहीं होता बल्कि यह मानवता और धर्म की सच्ची अभिव्यक्ति होती है। इस अवसर पर लंगर के आयोजक प्रेम गुप्ता ने कहा हम ईश्वर के आभारी हैं कि उन्होंने हमें यह सेवा करने का अवसर दिया। हमारा उद्देश्य केवल भोजन वितरित करना नहीं है, बल्कि समाज में करुणा, सेवा और समानता का संदेश फैलाना है। हर व्यक्ति, चाहे उसकी सामाजिक या आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, सम्मानपूर्वक भोजन पाए– यही हमारी पहल का मूल उद्देश्य है।

जेकेडीएफए कश्मीर डिवीजन ने एसोसिएशन के नाम के दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी

श्रीनगर। कश्मीर डिवीजन के अध्यक्ष डॉ. शाहिद डॉ. शाहिद ने पुष्टि की कि संदीप सिंह चिब को विधिवत जम्मू कश्मीर डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन (जेकेडीएफए) का अध्यक्ष चुना गया है डॉ. शाहिद सिंह ने स्पष्ट किया कि संगठन का पूरा और सही नाम ₹जम्मू कश्मीर डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन (जेकेडीएफए)₹ है न कि ₹जम्मू डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन₹ जैसा कि गलत तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने कहा हमारे एसोसिएशन की पहचान को गलत तरीके से पेश करने या कमजोर करने का कोई भी प्रयास भ्रामक, गैरकानूनी है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉ. शाहिद ने आगे पुष्टि की कि संदीप सिंह चिब जेकेडीएफए के विधिवत निर्वाचित अध्यक्ष हैं जिन्हें कश्मीर के सभी जिलों के अधिकांश सदस्यों का समर्थन प्राप्त है। न्होंने कहा उनका कार्यकाल दिसंबर तक जारी रहेगा और यदि कोई वास्तव में इस पद के लिए चुनाव लड़ने में रुचि रखता है तो उचित चुनाव अवधि के दौरान अपना नामांकन दाखिल करने के लिए उनका स्वागत है। डॉ. शाहिद ने कहा कि कश्मीर में अधिकांश जिला इकाइयां मौजूदा नेतृत्व के समर्थन में एकजुट हैं। जेकेडीएफए कश्मीर डिवीजन पूरे जम्मू और कश्मीर में डेयरी किसानों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. शाहिद ने जेकेडीएफए के नाम के अनधिकृत उपयोग की निंदा की।

हिमाचल प्रदेश में 42 डिग्री तक पहुंचा पारा, 13-14 जून को जमकर बरसेंगे बादल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में गर्मी ने एक बार फिर कहर बरपाना शुरू कर दिया है। रविवार को राज्य भर में तेज धूप खिलने से औसतन अधिकतम तापमान में दो डिग्री का उछाल आया। मैदानों से लेकर पहाड़ी इलाकों तक गर्मी का प्रकोप देखने को मिला। मैदानी भागों में जहां पारा 42 डिग्री तक पहुंच गया, वहीं हिल स्टेशनों शिमला और मनाली में भी गर्मी के कड़े तेवर रहे। मनाली में शिमला से ज्यादा गर्मी पड़ी। वहीं शीत मरुस्थल के नाम से पुकारे जाने वाले जनजातीय जिला लाहौल स्पीति के मुख्यालय केलंग में भी पारा 26 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है। अगले कुछ दिनों में और बढ़ेगा। विभाग ने चेताया है कि अगले चार से पांच दिनों तक तापमान में लगातार बढ़ोतरी होगी, जिससे गर्मी का असर और तेज होगा।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा रविवार को जारी बुलेटिन के अनुसार राज्य के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि होने की संभावना है। खासतौर पर ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों में भीषण गर्मी पड़ने के आसार हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा है कि आगामी 12 जून तक मौसम शुष्क बना रहेगा। हालांकि 13 और 14 जून को मौसम करवट लेगा और राज्य के कई स्थानों पर हल्की बारिश और गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है। वहीं उच्च पर्वतीय इलाकों में इस दौरान हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। इससे लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है, लेकिन बारिश की तीव्रता अधिक नहीं होगी।

हालांकि आगामी सप्ताह में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है, लेकिन 13 और 14 जून को कुछ स्थानों पर गरज और बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। ऐसे में इन दो दिनों में लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को ऊना सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ। इसके अलावा हमीरपुर के नेरी में 40.3 डिग्री, बिलासपुर में 39.1, कांगड़ा में 38.6, बरठीं में 37.4, धौलाकुआं में 37.1, सुंदरनगर में 37, भुंतर में 36.1, मनाली में 29.7, शिमला में 26.8, कुकुमसेरी में 28.1, कसौली में 29.7, कल्पा में 27 डिग्री और केलंग में 26 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड हुआ।

सीमा पर्यटन की शुरूआत करेंगे सीएम सुक्खू

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री अपने आगामी दो दिवसीय किन्नौर दौरे के दौरान भारत-चीन सीमा से सटे शिप्की-ला गांव से ह्यसीमा पर्यटनह्न (बॉर्डर टूरिज्म) पहल की शुरूआत करेंगे। यह कवायद देशभर के पर्यटकों को लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिलों की अनछुई सुंदरता और वहां की जनजातीय संस्कृति से परिचित कराएगी।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि यह ऐतिहासिक पहल हिमाचल के सीमावर्ती क्षेत्रों जैसे शिप्की-ला, लेपचला, ग्यू मठ, खाना दुमटी, सांगला, रानी कंडा, छितकुल और लाहौल-स्पीति के चयनित इलाकों तक आम पर्यटकों के आवागमन की दिशा में बड़ा कदम है। इससे इन दूरस्थ इलाकों की सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति की अद्भुत छटा देश-दुनिया तक पहुंच सकेगी।

प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री सुक्खू की पहल पर राज्य सरकार ने लगातार केंद्र सरकार के समक्ष यह मांग उठाई थी कि पर्यटन को सीमांत इलाकों तक ले जाया जाए। वर्षों की इस कोशिश का अब सकारात्मक नतीजा सामने आ रहा है और यह फहल जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन और विकास के नए रास्ते खोलने जा रही है।

अब तक इन संवेदनशील इलाकों में विशेष अनुमति के बिना जाना मुमकिन नहीं था, लेकिन नई व्यवस्था के तहत यह प्रक्रिया आसान कर दी गई है। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार अब स्थानीय लोग और प्रमाणित पर्यटक वैध पहचान पत्र दिखाकर इन क्षेत्रों में जा सकेंगे।

कुफरी में दुकान से अवैध शराब बरामद, एफआईआर दर्ज

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिले के पर्यटक स्थल कुफरी में पुलिस ने अवैध शराब बरामद की है। थाना ढली की पुलिस ने शनिवार देर रात गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए एक दुकान (ढाबे) से 60 बोतल देशी शराब जब्त की। यह कार्रवाई पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

जानकारी के अनुसार थाना ढली के तहत पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान जब टीम फौजी पार्किंग कुफरी के पास मौजूद थी, तो उन्हें गुप्त सूत्रों से सूचना मिली कि एक ढाबे में अवैध रूप से शराब रखी गई है। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान नलिन शर्मा पुत्र महेन्द्र कुमार शर्मा निवासी ढली जिला शिमला के कब्जे से उसकी दुकान/ढाबे से 60 बोतल देशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से बरामद शराब को जब्त कर लिया है और आरोपी के खिलाफ हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 39(1)(अ) के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

शिमला पुलिस के अनुसार जिला में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी पर सख्त निगरानी रखी जा रही है। सभी थाना प्रभारियों को नियमित गश्त और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

योग दिवस पर हर स्कूल में कार्यक्रम कराएगी भाजपा

केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर बूथ स्तर तक पंहुचेंगी सरकार की उपलब्धियां : भाजपा

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

केंद्र में एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला कांगड़ा भाजपा ने बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए रविवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया। भाजपा के मटौर स्थित कार्यालय में जिला कांगड़ा संगठनात्मक भाजपा की बैठक पार्टी प्रभारी एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें कांगड़ा, शाहपुर, धर्मशाला, नगरोटा बगवां विधानसभा क्षेत्र के भाजपा पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। विपिन सिंह परमार ने कहा कि 11 जून को केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवाई में एनडीए सरकार के 11 वर्ष का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है और इस दिन को भाजपा ने संकल्प से सिद्धि की और आत्मनिर्भर हिंदुस्तान का नारा देकर मनाने का फैसला लिया है। केंद्र सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियों को हर जिला, मंडल व बूथ स्तर तक पहुंचाने के लिए पार्टी पदाधिकारी साथ कार्यशाला में विस्तृत चर्चा कर जिम्मेदारियां सौंपी गई है। परमार ने कहा कि मेक इन इंडिया बेरोजगारों के लिए मुद्रा लोन योजना 8 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को उज्ज्वला योजना के अंतर्गत एलपीजी गैस कनेक्शन और किसान निधि योजना के अंतर्गत किसानों के खाते में हर साल 6000, आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड योजना के अंतर्गत 10 करोड़ परिवारों को 50 करोड रुपए का लाभ केंद्र सरकार द्वारा दिया जा चुका है, इन जैसी कई योजनाएं शुरू कर देश की जनता को केंद्र की भाजपा सरकार ने राहत पहुंचाई है। उन्होंने कहा हर विधानसभा क्षेत्र में केंद्र की योजनाओं को रैली, संगोष्ठी के माध्यम से बूथ स्तर तक ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा 21 जून को विश्व योग दिवस के उपलक्ष में हर पोलिंग बूथ ग्रामीण स्तर पर और स्कूलों में विश्व योग दिवस का आयोजन करने के लिए भाजपा प्रयासरत है। इसके साथ 23 जून को श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस को हर मंडल और पोलिंग बूथ पर मनाया जाएगा। परमार ने कहा पर्यावरण दिवस की बेला पर भाजपा ने हर बूथ पर 10 पौधे लगाकर हरित क्रांति लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अलावा संगठनात्मक जिला कांगड़ा में भाजपा द्वारा आयोजित अन्य गतिविधियों पर भी कार्यशाला में चर्चा हुई। इससे पहले विपिन सिंह परमार ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। सह-प्रभारी व विधायक पवन काजल ने मुख्य अतिथि विपिन सिंह परमार का शाल और टोपी पहनाकर स्वागत किया। संगठनात्मक जिला कांगड़ा के अध्यक्ष सचिन शर्मा ने जिला में भाजपा द्वारा चलाई जा रही गतिविधियों का विस्तृत विवरण रखा और संकल्प से सिद्धि की ओर कार्यक्रम के लिए रूपरेखा बनाई। कार्यशाला में पूर्व मंत्री सरवीन चौधरी, पालमपुर संगठनात्मक के पूर्व जिला अध्यक्ष विनय शर्मा, नगरोटा बगवां के पूर्व विधायक अरुण कुमार मेहरा, ज़िला कांगड़ा भाजपा अध्यक्ष सचिन शर्मा, धर्मशाला मंडल भाजपा अध्यक्ष डॉ. विशाल नेहरिया, हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

स्वच्छता और योग होगा तो गति के साथ विकसित भारत की तरफ बढ़ेगा देशः नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम होगा ऐतिहासिक और भव्य, इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य है

- मुख्यमंत्री ने मल्टीआर्ट कल्चर सेंटर कुरुक्षेत्र के सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर संस्थाओं के साथ की बैठक
- राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए 103 सेक्टरों में बांटा क्षेत्र
- मुख्यमंत्री ने संस्थाओं, एनजीओ के पदाधिकारियों को दिलवाई शपथ
- कार्यक्रम में हर घर से पहुंचेंगे नागरिकः सुभाष सुधा
- प्रदेश के 10 लाख योग साधक लगाएंगे औषधीय गुणवत्ता वाले पौधेः डॉ. जयदीप आर्य

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब देश में स्वच्छता और योग होगा तो देश गति के साथ विकसित भारत की तरफ बढ़ेगा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को प्रदेश में 27 मई, 2025 से स्वच्छता अभियान चलाकर शुरू कर दिया गया है। 21 जून के आयोजन के लिए योग की कक्षाएं शुरू हो गई हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जब यूएनओ में योग का प्रस्ताव रखा तो 177 देशों ने इस पर अपनी सहमति दी और हमारी धरा से निकाला योग विश्व में हर जन-जन तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री ने योग पद्धति को पूरी दुनिया में फैलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम ऐतिहासिक और भव्य होगा। योग किसी एक व्यक्ति या एक विचार का कार्यक्रम नहीं है। योग में हमारी प्राचीन विचारधारा सम्मलित है। ऋषियों ने हमें उपहार के तौर पर योग और ध्यान दिया है। योग करने से मनुष्य हृष्ट-पुष्ट रहता है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मल्टीआर्ट कल्चर सेंटर कुरुक्षेत्र के सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर संस्थाओं के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने संस्थाओं, एनजीओ, व्यापारी संगठन और सभा में मौजूद अन्य संगठनों के पदाधिकारियों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। साथ ही पतंजलि योग पीठ को शहर में हर घर तक योग का निमंत्रण पहुंचाने को कहा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग को देश-दुनिया में पहुंचाने का काम ऋषि स्वामी रामदेव ने किया है। भगवान श्रीकृष्ण की धरा धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में 21 जून को बाबा रामदेव का आगमन कुरुक्षेत्र वासियों के लिए बड़े गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का थीम एक पृथ्वी, एक स्वस्थ्य है, जबकि हरियाणा सरकार ने इसके साथ योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा को भी जोड़ा है।

उन्होंने कहा कि हमें अपने युवाओं को नशे से बचाना है तो उन्हें योग को अपनाना होगा। योग हमारी इच्छा शक्ति को बढ़ाता है।मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र वासियों से आग्रह करते हुए कहा कि 21 जून को सभी अपनी निंद्रा को छोडकर सुबह 4 बजे ब्रह्मसरोवर व मेला ग्राउंड में पहुंचकर योग के इस महान यज्ञ में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ें और जिसको जो जिम्मेदारी दी गई है, उसको प्रमुखता के साथ निभाने का काम करें। उन्होंने कहा कि ये केवल मात्र योग दिवस नहीं है बल्कि एक मेला है। जिस प्रकार हम दीपावली, होली, भाईदूज जैसे त्योहारों को मनाते हैं, इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को भी उसी प्रकार मनाया जाए।

इस कार्यक्रम को लेकर जानकारी दी गई कि ब्रह्मसरोवर और मेला ग्राउंड को 103 सेक्टरों में बांटा गया है। इनमें से 64 सेक्टर ब्रह्मसरोवर और 37 सेक्टर मेला ग्राउंड व आसपास के क्षेत्र में बनाए गए हैं। हर सेक्टर में एक हजार साधकों के योग करने की व्यवस्था बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने सभागार में मौजूद संस्थाओं, एनजीओ व अन्य लोगों को जीवन में नियमित रूप से योग, प्राणायाम और ध्यान को अपनाने, नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। इसके अलावा अपने परिवार, समाज और कार्यस्थल में योग का प्रचार प्रसार करने के लिए प्रेरित भी किया।

पूर्व राज्य मंत्री श्री सुभाष सुधा ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के लोगों के लिए सौभाग्य की बात है। इस कार्यक्रम को पूरे विश्व में देखा जाएगा। उन्होंने दावा किया इस कार्यक्रम में शहर के हर घर से नागरिक हिस्सा लेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री से शहर में एक मेडिटेशन सेंटर खोलने की मांग भी की।

योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. जयदीप आर्य ने कहा कि 21 जून को कुरुक्षेत्र से योग के साथ पर्यावरण संरक्षण का आगाज हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 लाख योग साधक औषधीय गुणवत्ता वाले पौधों को रोपित भी करेंगे और कुरुक्षेत्र में एक लाख से ज्यादा लोग एक साथ योग करके विश्व का रिकॉर्ड कायम करेंगे। इस मौके उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल और जिला परिषद अध्यक्ष कंवलजीत कौर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

स्टार्टअप प्रोत्साहन योजना की समय सीमा बढ़ाकर 30 सितंबर 2025 तक कर दी गई हैः राव नरबीर सिंह

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के आज के युग में युवाओं को औद्योगिक क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने स्टार्टअप पालिसी क्रियान्वित की है, जिसके तहत स्टार्टअप को अनेक प्रकार के प्रोत्साहन प्रदान किए जाते हैं।

उद्योग मंत्री ने कहा कि उद्योग विभाग ने निर्णय लिया है कि हरियाणा के जो स्टार्टअप विभिन्न योजनाओं जैसे कि लीज रेंटल सब्सिडी स्कीम, पेटेंट लागत प्रतिपूर्ति स्कीम, शुद्ध राज्य जीएसटी प्रतिपूर्ति स्कीम तथा काउड स्टोरेज स्कीम के लिए प्रतिपूर्ति अपने आवेदन जमा नहीं करा पाए, उनके लिए एक मुश्त छूट देते हुए समय सीमा बढ़ाकर 30 सितंबर 2025 तक कर दी गई है।

उन्होंने स्टार्टअप से आग्रह किया है कि योजना के लाभ उठाने के लिए उद्योग विभाग से संपर्क करें और तय समय सीमा में अपने आवेदन भेजना सुनिश्चित करें।

परंपरात खेती छोड़ नई तकनीक अपनाएं किसानः रणबीर गंगवा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि घटती जोत एवं बदलते मौसम के अनुरूप किसानों को पारंपरिक खेती की जगह अधिक से अधिक नई तकनीकी व वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने की जरूरत है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे परंपरागत खेती को छोड़कर खेती की नवीनतम तकनीक को अपनाएं और अपनी आमदनी बढ़ाएं। पौधों से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण जरूरी है।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री आज भिवानी के गांव मंढाण में ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी के उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मंत्री ने विभिन्न प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया।

मंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति वचनबद्ध है। केंद्र सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं, वहीं प्रदेश में अधिकतर फसलें एमएसपी के भाव पर खरीदी जा रही हैं। उन्होंने ने कहा कि खेती में नई तकनीकों को अपनाएं, ताकि प्रदेश के किसान भी उद्यमी बनने की ओर अग्रसर हों और उनकी आय में वृद्धि हो। इस प्रकार की नई- नई तकनीकों से न सिर्फ किसानों को लाभ होगा बल्कि प्रदेश में भी बागवानी के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनेगी।

उन्होंने किसानों से अपील कि वे परंपरागत खेती को छोड़कर बाजार की मांग के अनुसार खेती करें, इससे किसानों को बड़ा लाभ होगा तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। इसके लिए राज्य सरकार न केवल निःशुल्क ट्रेनिंग देती है, बल्कि किसानों को अत्याधुनिक खेती अपनाने के लिए सब्सिडी पर कृषि यंत्र, पोली हाउस, नैट हाऊस व अन्य तकनीकों की सहायता भी दे रही है। उन्होंने कहा कि जोतें घट रही हैं। ऐसे में कम भूमि पर अधिक मुनाफा कमाने के लिए तकनीकों का सहारा लेना होगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसान, गरीब, मजदूर आदि प्रत्येक वर्ग के हित में अनेक योजनाएं बनाकर सीधा लाभ पहुंचाने का काम किया है। इस दौरान मंत्री ने ऑर्गेनिक हरियाली नर्सरी का रिबन काटकर उद्घाटन करने उपरांत उन्होंने नर्सरी का मुआयना किया और पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

संक्षिप्त-समाचार

श्रीमती कृष्णा गोयल फाउंडेशन के सहयोग से अंबेडकर चौक पर लगाया जाएगा वाटर कूलर

लाडवा। श्रीमती कृष्णा गोयल फाउंडेशन एवं भारत विकास परिषद लाडवा द्वारा भीषण गर्मी के मद्देनजर शहर के मुख्य चौराहे अंबेडकर चौक पर वाटर कूलर लगाया जाएगा। परिषद अध्यक्ष अमन गोयल ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर की मुख्य समाजसेवी श्रीमती कृष्णा गोयल के जन्मदिन के अवसर पर अंबेडकर चौक पर वाटर कूलर का शुभारंभ किया जाएगा। इस वाटर कूलर का शुभारंभ मुख्यातिथि श्रीमती कृष्णा गोयल के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। शहर के व्यस्त चौराहे पर पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। राहगीर गर्मी से बेहाल रहते है। इसी को ध्यान में रखते हुए वाटर कूलर लगवाया जा रहा है ताकि राहगीर इसका भरपूर लाभ उठा सके।

समर कैंप का हुआ समापन, किडजी स्कूल में बच्चों ने सीखी नई प्रतिभाएं

लाडवा। किडजी स्कूल में आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप का समापन हर्षोल्लास और रचनात्मकता के माहौल में हुआ। इस कैंप का उद्देश्य बच्चों को गर्मियों की छुट्टियों के दौरान मनोरंजन के साथ-साथ कुछ नया सिखाना और उनकी प्रतिभाओं को निखारना था।गतिविधियों का आयोजन कैंप के दौरान बच्चों ने अनेक कौशलवर्धक गतिविधियों में भाग लिया। जिनमें कुकिंग विदआउट फायर, डांस, कराटे, पेंटिंग, कैलिग्राफी, और मेहंदी डिजाइनिंग प्रमुख रहीं। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने रचनात्मकता, अनुशासन, आत्म-रक्षा, और कला के विभिन्न रूपों को न केवल जाना बल्कि उन्हें स्वयं करके सीखा समापन समारोह के दिन आयोजित विशेष समारोह में बच्चों ने सीखी गई प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। उनके डांस, आर्टवर्क, और अन्य प्रस्तुतियों ने अभिभावकों और शिक्षकों का दिल जीत लिया। बच्चों के उत्साह को देखकर यह साफ था कि यह समर कैंप उनके लिए सीख और मस्ती का बेहतरीन संगम रहा।विद्यालय की प्रधानाचार्या विम्मी तनेजा ने कहा, ₹हमारा प्रयास रहा है कि बच्चे गर्मियों की छुट्टियों में केवल मनोरंजन ही नहीं करें, बल्कि कुछ नया सीखें और आत्मनिर्भर बनें। इस कैंप में बच्चों की भागीदारी और सीखने की ललक प्रेरणादायक रही।किडजी स्कूल का यह समर कैंप बच्चों की यादों में हमेशा के लिए एक खास अनुभव बनकर रहेगा। इस मौके पर मुस्कान मग्गो, गीता शर्मा, गीता, सोनिया, अदिति, कविता, स्वाति, गरिमा, श्रेया, शिवानी, मुस्कान, प्रीत, भावना, पल्लवी, साल्वी, पल्लवी शर्मा, महक, सिमरन, डॉली, मंजू, निशू आदि अध्यापिकाएं शामिल हुई।

स्कूल लाइब्रेरी पर कार्यशाला संजय गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में आयोजित

संवाददाता
लाडवा

सीबीएसइ एवं सीओई पंचकूला के निर्देशन में ₹स्कूल लाइब्रेरी₹ विषय पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का सफल आयोजन संजय गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल, धनौरा, लाडवा में किया गया। इस सत्र का उद्देश्य शिक्षकों की लाइब्रेरी प्रबंधन क्षमताओं को सुदृढ़ करना, पठन संस्कृति को बढ़ावा देना तथा सूचना साक्षरता को मजबूत करना था। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के समक्ष पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए स्कूल पुस्तकालयों की रचनात्मक सोच और स्वतंत्र अध्ययन में भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने उइरए एवं उडए पंचकूला का आभार व्यक्त किया कि इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन हेतु विद्यालय को चुना गया। कार्यशाला का संचालन ममता मग्गू द्वारा किया गया, जिन्होंने लाइब्रेरी को अधिक संवादात्मक, तकनीक-सक्षम और विद्यार्थियों के लिए रुचिकर बनाने हेतु कई नवाचार साझा किए। उनका सत्र अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा, जिसे सभी प्रतिभागियों ने सराहा। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से लगभग 62 शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी शिक्षकों ने अपने-अपने विद्यालयों में पुस्तकालय को और अधिक सशक्त व प्रभावशाली बनाने का संकल्प लिया।

सांसद नवीन जिन्दल हर वर्ग और क्षेत्र की भावनाओं का करते हैं सम्मानः नरेंद्र सैनी

अनिल गोयल
लाडवा

सांसद नवीन जिन्दल की ओर से नरेन्द्र सैनी भाजपा मंडल अध्यक्ष गुढ़ा ने गांव बरगट जाटान में पहुंचकर चल रहे शिव मंदिर निर्माण कार्य में सहयोग करने के लिए दान स्वरूप सहायता राशि का चेक समिति सदस्यों और गांव के गणमान्य व्यक्तियों को सौंपा। यह आर्थिक सहायता गांव के धार्मिक व सांस्कृतिक विकास के प्रति उनकी गहरी आस्था और प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

सांसद नवीन जिन्दल की इस पहल के लिए गांव के लोगों और मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों ने सांसद नवीन जिन्दल का आभार प्रकट किया। इस मौके पर नरेंद्र सैनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष गुढ़ा ने कहा कि यह सहयोग न केवल मंदिर निर्माण को गति देगा बल्कि समाज में धार्मिक एकता और जनप्रतिनिधियों के प्रति विश्वास को भी मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल ने एक सच्चे जनसेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं, हर वर्ग और क्षेत्र की भावनाओं का सम्मान करते हैं।

- सांसद नवीन जिन्दल ने मंदिर निर्माण हेतु भेजी आर्थिक सहायता, ग्रामीणों ने जताया आभार

सांसद नवीन जिन्दल सदैव जनता के कल्याणार्थ कार्यों में लगे रहते हैं और समाज के धार्मिक, शैक्षिक व विकासात्मक कार्यों में योगदान देने में हमेशा आगे रहते हैं। इस अवसर पर मंडल महामंत्री विजय कुमार, सरपंच रामकरण, सोम प्रकाश, नरेंद्र पूनिया, सुल्तान सिंह, संदीप कुमार, ओम प्रकाश, श्याम लाल, रोहित कुमार, अनिल कुमार और सलिंद्र सिंह उपस्थित रहे।

रानियां क्षेत्र में घग्घर से निकलने वाली नहरों में लगाई पाइप लाइन को लेकर कुमारी सैलजा ने सीएम को लिखा पत्र

- कहा- पाइप हटाने के निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए किसानों के लिए की जाए उचित व्यवस्था

संवादादात
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक पत्र लिखकर सिरसा संसदीय क्षेत्र के रानियां क्षेत्र में घग्गर नदी से निकलने वाली नहरों की पाइपलाइन हटाने से उत्पन्न हो रही गंभीर समस्याओं पर तत्काल ध्यान देने की मांग की है। सांसद ने कहा है कि पाइप हटाने के निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए किसानों के लिए उचित व्यवस्था और मानसून से पहले आवश्यक तटबंधों की मरम्मत का कार्य तुरंत शुरू करवाया जाए। मुख्यमंत्री सैनी को लिखे पत्र में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि सिरसा जिला खासकर रानियां क्षेत्र में जल विवाद छिड़ गया है, क्योंकि प्रशासन घग्गर नदी के वर्षा जल को वितरित करने के लिए बनाए गए मौसमी खरीफ चैनलों में अवैध पाइपलाइनों और जल कनेक्शनों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखे हुए है। सहदेवा, मम्मार और रत्ताखेड़ा इन चैनलों का निर्माण किसानों, खासकर अंतिम छोर के गांवों के किसानों को सिंचाई प्रदान करने के लिए किया गया था।हालांकि, पिछले दो हफ्तों से अधिकारी अनधिकृत पाइपलाइनों, मोटरों और सौर कनेक्शनों को हटा रहे हैं, उनका दावा है कि वे चैनलों के अंत तक पानी पहुंचने से रोक रहे हैं। यह समस्या तब शुरू हुई जब टेल-एंड गांवों के किसानों ने शिकायत की कि उन्हें ऊपरी इलाकों के गांवों में किसानों द्वारा अवैध रूप से बनाए गए ढांचों के कारण बारिश का पानी नहीं मिल रहा है।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने बब्याल में 15 करोड़ रुपए की लागत से 10 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले एसटीपी का उद्घाटन अपने कर-कमलों से किया

हम दिन-रात विकास कार्य करने में लगे है ताकि हमारा शहर सभी सुविधाओं से संपन्न हो : अनिल विज

संवादादाता
चंडीगढ़/अम्बाला

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी में हम दिन-रात विकास कार्य करने में लगे है ताकि हमारा शहर सभी सुविधाओं से संपन्न हो। यदि कोई अम्बाला छावनी में हुए विकास कार्यो पर किताब लिखेगा तो आपको गर्व होगा क्योंकि आज से पहले किसी ने भी इतने विकास कार्य नहीं करवाएं है, जितने उन्होंने करवाए है और यह सब कार्य लोगों से मिली ताकत व आशीर्वाद से वह कर रहें हैं। श्री विज आज अम्बाला छावनी के बब्याल में 15 करोड़ रुपए की लागत से 10 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का उद्घाटन करने के उपरांत आपार जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री अनिल विज का नगर परिषद अधिकारियों व भाजपा नेताओं ने जोरदार स्वागत किया गया। विज ने बताया कि यह ट्रीटमेंट प्लांट कई कालोनियों में लगभग 140 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन से जुड़े 15 हजार घरों को सीवरेज सुविधा पहुंचाएगा। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट आधुनिक एसबीआर तकनीक पर तैयार किया गया है जोकि भविष्य के 25 वर्षों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इस ट्रीटमेंट प्लांट से पानी ट्रीट होने के बाद इसे पास टांगरी नदी में छोड़ा जाएगा। ऊर्जा व परिवहन मंत्री अनिल विज ने बताया कि बब्याल सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट आप्रेशनल होने से टुंडला मंडी, कलरहेड़ी, डिफेंस कालोनी के सेक्टर ए, बी, सी व डी के अलावा बाले का नगला, डिफेंस इन्कलेव, बोह, आनंद नगर, दलीपगढ़, बब्याल, कृष्णा नगर, श्याम नगर, अर्जुन नगर, वशिष्ठ नगर व अन्य कालोनियों के 15 हजार घरों को सुविधा पहुंचाएगा।

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने इस मौके पर क्षेत्रवासियों को इस परियोजना की सौगात मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि कलरहेड़ी से लेकर मच्छौंड़ा तक 341 करोड़ रूपए की लागत से 370 किलोमीटर सीवरेज लाईन बिछाने का कार्य किया जा रहा हैं। इस कार्य के तहत अधिकतर सीवरेज पाईपलाई बिछ चुकी है और जो शेष बची है, वह भी जल्द बिछ जाएगी। सीवरेज लाईन के बिछने से शहर को गन्दे पानी से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने लोगों से आहवान किया कि जहां जहां पर सीवरेज लाईन बिछ चुकी हैं, वहां के लोग अपने घरों का सीवरेज कनेक्शन लें, तभी इस प्रोजैक्ट का लोगों को फायदा मिलेगा और मेरी मेहनत भी सफल होगी। कैबिनेट मेंत्री अनिल विज ने इस मौके पर बताया कि अम्बाला छावनी में बेहतर सफाई व स्वच्छता के लिए सीवरेज लाइन डाली जा रही है इससे छावनी को गंदे पानी से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने बताया कि बब्याल में ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन किया गया है जबकि 12 क्रॉस रोड, मच्छौड़ा तथा गांव खुड्डा में भी जल्द ट्रीटमेंट प्लांट को तैयार कर इसे चालू किया जाएगा।

संपादकीय

2047 की ओर: जैव विविधता के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत

इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत की जैव विविधता केवल प्राकृतिक धरोहर नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक और पारिस्थितिक स्थिरता का एक शक्तिशाली आधार भी है। भारत, जो विश्व के कुल जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से एक प्रमुख केंद्र है, 2047 तक आत्मनिर्भर और समुत्थानशील राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है। इस यात्रा में जैव विविधता एक रणनीतिक संपत्ति के रूप में कार्य कर सकती है—जो पारिस्थितिक संतुलन, आर्थिक लाभ और सामाजिक समावेशिता को एक साथ साधने की क्षमता रखती है। यह सच है कि भारत की प्राकृतिक पूंजी—उसके वन, जल, पशु-पक्षी और पारंपरिक ज्ञान—हर वर्ष अरबों डॉलर की पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ प्रदान करती है। जैव विविधता न केवल व्यापार युद्धों और संसाधन संकट के समय में सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि ग्रामीण और तटीय आजीविकाओं को भी स्थायित्व देती है। वर्तमान वैश्विक संदर्भ में, जहाँ वनों की कटाई और प्रजातियों की विलुप्ति तेजी से बढ़ रही है, जैव विविधता का संरक्षण न केवल एक अंतरराष्ट्रीय दायित्व है, बल्कि यह दीर्घकालिक राष्ट्रीय समृद्धि की पूर्वशर्त भी है। जैव विविधता से भारत को कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन और औषधीय संसाधनों जैसे अनेक क्षेत्रों में सीधा आर्थिक लाभ प्राप्त होता है: वानिकी क्षेत्र भारत के जी डी पी में लगभग 1% का योगदान देता है, और 20 करोड़ से अधिक लोग वनों पर निर्भर हैं। मत्स्य पालन लगभग 3 करोड़ लोगों की आजीविका का साधन है, विशेषकर ग्रामीण व तटीय क्षेत्रों में। भारत की औषधीय पादप विविधता, जिसमें 45,000 से अधिक पादप प्रजातियाँ शामिल हैं, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों जैसे आयुर्वेद की रीढ़ हैं। इन क्षेत्रों में जैव विविधता का संरक्षण न केवल आजीविका को सुनिश्चित करता है, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता भी प्रदान करता है। वन और जैव विविध पारिस्थितिकी तंत्र कार्बन पृथक्करण और जलवायु परिवर्तन शमन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं: भारत के वन हर वर्ष ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 11% बेअसर करते हैं। हरित भारत मिशन जलवायु सहिष्णुता बढ़ाने के लिये पारिस्थितिकी पुनर्स्थापन की दिशा में कार्य कर रहा है। जैव विविधता का संरक्षण जलवायु संकट से लड़ने का एक मौलिक और लागत प्रभावी उपाय बनता जा रहा है। भारत में चावल की 50,000 और ज्वार की 5,000 किस्मों जैसी फसल विविधता इसे जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनाती है। यह आनुवंशिक विविधता फसल उत्पादन को स्थायित्व प्रदान करती है और कीटों तथा रोगों के प्रति प्रतिरोध बढ़ाती है, जिससे खाद्य सुरक्षा सुदृढ़ होती है। कृषि जैव विविधता के संरक्षण से भारत की कृषि आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो सकती है। जैव विविधता पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं जैसे परागण, जल शुद्धिकरण, मृदा उर्वरता और बाढ़ नियंत्रण में सहायक है। उदाहरणस्वरूप: आर्द्रभूमियाँ मत्स्य पालन और बाढ़ नियंत्रण में योगदान देती हैं। मैंग्रोव वन, विशेषकर सुंदरवन में, तटीय समुदायों को चक्रवात और तूफानों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। 25 करोड़ लोग समुद्र तट के 50 किमी दायरे में रहते हैं, जो जैव विविधता-आधारित पारिस्थितिकीय सेवाओं पर निर्भर हैं। भारत का पारिस्थितिकी पर्यटन उद्योग जैव विविधता संरक्षण और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को सुदृढ़ करता है। पश्चिमी घाट, सुंदरवन, और अमूर फाल्कन जैसे संरक्षण स्थल न केवल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए आय के साधन भी बनते हैं। जैव विविधता भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में गहराई से निहित है। पवित्र उपवन जैसे 'देव वन' , 'सरना' और 'देवराकाडु' स्थानीय समुदायों द्वारा संरक्षित किये जाते हैं और वे वनस्पतियों व जीवों के संरक्षण में योगदान देते हैं। ये क्षेत्र संस्कृति और जैव विविधता दोनों के संरक्षण के सेतु बनते हैं। भारत की जैव विविधता आज कई गंभीर खतरों का सामना कर रही है: जलवायु परिवर्तन से हिमालयी और पश्चिमी घाट जैव विविधता हॉटस्पॉट अत्यधिक संवेदनशील हो गए हैं। आक्रामक प्रजातियाँ जैसे प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा और अफ्रीकी सेब घोंघा स्थानीय पारिस्थितिक तंत्रों को बाधित कर रही हैं। प्रदूषण, अवैध शिकार, और आवास विखंडन जैसे कारकों के कारण जैव विविधता तेजी से घट रही है। अनियमित विकास परियोजनाएँ, जैसे कि ग्रेट निकोबार परियोजना, संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्रों को खतरे में डाल रही हैं। इन खतरों से निपटने के लिए नीति, प्रवर्तन और समुदायों की भागीदारी की सशक्त रणनीति आवश्यक है। भारत जैव विविधता को अपनी आर्थिक संरचना में एकीकृत करके दीर्घकालिक लाभ प्राप्त कर सकता है: प्राकृतिक पूंजी लेखांकन को राष्ट्रीय नीति में स्थान देना चाहिए। प्रकृति-आधारित समाधान जैसे शहरी वन, मैंग्रोव पुनर्स्थापन और आर्द्रभूमि संरक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जैव विविधता अनुकूल कृषि को बढ़ावा देकर खाद्य सुरक्षा और सतत विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। बौद्धिक संपदा संरक्षण, विशेषकर पारंपरिक ज्ञान आधारित औषधीय संसाधनों के लिए, आय सृजन और अधिकार सुरक्षा दोनों में सहायक होगा। सी एस आर के माध्यम से कॉर्पोरेट निवेश को जैव विविधता संरक्षण से जोड़ा जा सकता है। अंत में हम कह सकते हैं कि भारत की जैव विविधता केवल एक पारिस्थितिकीय उत्तरदायित्व नहीं है, बल्कि यह आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक अवसरों का आधार भी है। यदि भारत 2047 तक आत्मनिर्भर और सतत राष्ट्र बनना चाहता है, तो उसे जैव विविधता को केंद्र में रखकर नीतियाँ बनानी होंगी—ऐसी नीतियाँ जो पारंपरिक ज्ञान, आधुनिक विज्ञान और समावेशी विकास को साथ लेकर चलें। एक हरित, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में जैव विविधता की भूमिका अनिवार्य है। इसे केवल विरासत के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की समृद्धि के संसाधन के रूप में देखना होगा।

आज का राशिफल

मेष: आज आपके लिए संपत्ति में निवेश का शुभ योग बन रहा है। इंजीनियरिंग से जुड़े विद्यार्थियों को करियर में नया अवसर मिल सकता है। रोजगार के क्षेत्र में नई संभावनाएं उत्साहित करेंगी। प्रेम विवाह के इच्छुक जातकों को पारिवारिक समर्थन मिलने की संभावना है। दिन अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए अनुकूल है।

वृषभ: करियर में प्रगति के अच्छे संकेत हैं। रुका हुआ पैसा मिलने की संभावना है। किसी भी विषय पर सोच-समझकर प्रतिक्रिया दें। पारिवारिक सहयोग से मनोबल बढ़ेगा। राजनीति से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है। बच्चों के साथ संबंध मधुर बनाए रखें।

मिथुन: आज अनावश्यक खर्चों पर ध्यान दें। कानूनी मामलों में सावधानी आवश्यक है। भोजन संयमित रखें। रिसर्च व अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। बजट का पालन करते हुए योजनाएं बनाएं। मान-सम्मान में वृद्धि के संकेत हैं।

कर्क: कार्यस्थल पर पूर्ण समर्पण दिखाएं। जीवनसाथी से पारदर्शिता रखें। आत्मविश्वास पर नियंत्रण रखें। प्रेम संबंधों में तनाव की स्थिति बन सकती है। अत्यधिक आत्मकेन्द्रित व्यवहार से मित्रों की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

सिंह: व्यापारिक साझेदारी के लिए समय अनुकूल है। धार्मिक गतिविधियों में भाग लेंगे। नौकरी में आपकी प्रभावशीलता बढ़ेगी। कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है। वैवाहिक जीवन में खुशहाली लौटेगी। पारिवारिक माहौल सौहार्दपूर्ण रहेगा।

कन्या: यदि आज कोई महत्वपूर्ण मीटिंग है तो पूरी तैयारी के साथ जाएं। आप आज के दिन लेन-देन में सतर्कता रखें। आज आपकी कार्यशैली में सुधार होगा। प्रशासनिक कार्यों में दबाव कम होगा। सेहत थोड़ी कमजोर रह सकती है।

तुला: प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को चिंता हो सकती है। आज के दिन बच्चों की आदतों पर नजर रखें। बातचीत में संयम बरतें, आपकी बातें गलत समझी जा सकती हैं। खर्चों में अनावश्यक वृद्धि संभव है।

वृश्चिक: कार्यस्थल की समस्याएं सुलझेंगी, लेकिन मेहनत अधिक करनी पड़ेगी। आज के दिन रियल एस्टेट निवेश में सतर्कता जरूरी है। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। छात्र पढ़ाई को लेकर थोड़ा तनाव महसूस करेंगे।

धनु: जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएगा। सरकारी कर्मचारियों को अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। व्यापारियों को लाभ के संकेत हैं। वैवाहिक जीवन में आनंद रहेगा। नई नौकरी या यात्रा की शुरूआत संभव है।

मकर: स्वार्थी लोगों से सावधान रहें। आज के दिन ईमानदारी बरतें। परिजनों की सेहत का ध्यान रखें। आज के दिन संतान को लेकर चिंता बनी रहेगी। विद्यार्थियों को आज पढ़ाई में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ: किसी करीबी को धन उधार देना पड़ सकता है। कार्यों में संतोष मिलेगा। आज आपके व्यवहार में मधुरता रहेगी। विदेश यात्रा का योग बन सकता है। ऑनलाइन शॉपिंग में खर्च अधिक हो सकता है, बजट का ध्यान रखें।

मीन: क्रोध के बजाय धैर्य से काम लें। वाहन सावधानी से चलाएं। आज आपके कारोबार विस्तार में चुनौतियां आएंगी। दिखावे से बचें, अन्यथा आर्थिक नुकसान हो सकता है। आज के दिन दांपत्य जीवन में तनाव संभव है।

साहित्यिक बाजार और संवेदना का सौदा

साहित्य आज साधना नहीं, सौदेबाजी का बाजार बनता जा रहा है। नकली संस्थाएं 1000 से 2500 रुपये लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय' पुरस्कार बांट रही हैं। यह केवल साहित्य नहीं, भाषा की भी हत्या है। सहयोग राशि के नाम पर सम्मान बिक रहा है और सच्चे साहित्यकारों की साधना उपेक्षित हो रही है। ऐसे आयोजनों का बहिष्कार और पदार्फाश करने का समय आ गया है। साहित्य को बाजारू अपवित्रता से बचाने का यह सही वक्त है। यदि कोई पुरस्कार सहयोग राशि से खरीदा जा सकता है, तो वह पुरस्कार नहीं, एक बाजारू तमाशा है। साहित्य आत्मा की भाषा है, ना कि ट्रॉफियों की भीड़। नकली आयोजनों से हिन्दी ही नहीं, साहित्य की आत्मा घायल हो रही है।

साहित्य, आत्मा की पुकार है। वह सर्जक की साधना का फल होता है। वह तप, त्याग और संवेदना की अभिव्यक्ति है। आजकल सोशल मीडिया, व्हाट्स ऐप और ई-मेल पर साहित्यिक आयोजनों के नाम पर संदेश आते हैं कि सहयोग राशि से पुरस्कार पाएं। कुछ तथाकथित संस्थाएं और व्यक्ति राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय, गौरव, रत्न जैसे भारी-भरकम शब्दों से सजे पुरस्कारों का जाल बिछाकर साहित्यप्रेमियों को लुभाते हैं। सच्चाई यह है कि पुरस्कार नहीं, सम्मान की नीलामी हो रही है। इन आयोजनों के अधिकांश आयोजक एक जैसी वेबसाइटें, नकली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के नाम और सोशल मीडिया प्रचार का सहारा लेकर लोगों को भ्रमित करते हैं। वे एक निश्चित शुल्क लेकर एक ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और कभी-कभी एक ऑनलाइन समारोह की व्यवस्था करते हैं, जो केवल आत्मप्रशंसा का साधन होता है, न कि वास्तविक मान्यता।

इन आयोजनों के पीछे अकसर एक चतुर चाल होती है। इसे सहयोग राशि या प्रेस रिलीज खर्च कहकर नैतिक जामा पहनाया जाता है। पुरस्कार एक साधक को उसके योगदान पर दिया जाना चाहिए, ना कि उसकी जेब देखकर। जब कोई लेखक अपनी मेहनत से एक रचना गढ़ता है, तो वह अपने समय, जीवन और संवेदना का अंश उड़ेलता है। और फिर कुछ लोग आते हैं-पैसा दो, पुरस्कार लो। क्या यह साहित्य की आत्मा का अपमान नहीं? यहां साहित्य एक उत्पाद बन गया है और लेखक उपभोक्ता। पुरस्कार की शर्तें रचनात्मक मापदंड पर तय नहीं होतीं, बल्कि यूपीआई भुगतान और स्क्रीनशॉट की पुष्टि पर होती हैं।

ऐसे आयोजनों के जरिए न सिर्फ साहित्य को ठगा जा रहा है, बल्कि

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स.)

हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के नाम पर योजनाबद्ध गिरावट फैलाई जा रही है। जो सम्मान कभी राष्ट्रगौरव का प्रतीक होता था, वह अब टिकट खरीदकर पाई जाने वाली वस्तु बन गया है। यह भाषायी संस्कृति पर हमला है, जिसका संगठित बहिष्कार आवश्यक है। अनेक फर्जी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विदेशी नामों की आड़ में भारत के भीतर ही संचालित हो रहे हैं। इन आयोजनों का एक ही उद्देश्य होता है-नाम की आड़ में पैसा कमाना और साहित्यिक गंभीरता का शोषण करना।

सच्चा साहित्यकार पुरस्कार के लिए नहीं, समाज के लिए लिखता है। वह पुरस्कार के पीछे नहीं भागता, पुरस्कार उसकी साधना के पीछे भागते हैं। आज जरूरत है ऐसे छलछंद को उजागर करने की है, जो साहित्य को सिर्फ एक सेल्फी इवेंट बना रहे हैं। पुरस्कारों की गारंटी देने वाले लोग दरअसल साहित्य की आत्मा के हत्यारे हैं। ऐसे पुरस्कारों से ना केवल साहित्यिक गरिमा घटती है, बल्कि युवा लेखकों को एक गलत प्रेरणा मिलती है। इसलिए पुरस्कार पाने से पहले नामांकन शुल्क या सहयोग राशि मांगी जाए तो सतर्क हो जाइए। आयोजनों के पीछे कोई प्रतिष्ठित संस्थान ना हो, केवल फेसबुक पेज या गूगल फॉर्म हो-वे संदिग्ध होते हैं। किसी भी इंटरनेशनल पुरस्कार का आयोजन यदि केवल भारत के छोटे शहरों में हो रहा हो, तो जांच जरूरी है। वेबसाइट पर संस्थापक या निर्णायक मंडल की पारदर्शिता ना हो, तो यह लाल झंडी है।

भाषा की गरिमा बचानी है तो ऐसे नकली संस्थानों से मुक्ति पानी होगी। साहित्य कोई काजल की कोठरी नहीं कि कोई भी चला आए, काजल लगा ले और चला जाए। यह साधना है, सेवा है, संघर्ष है। साहित्य की दुनिया में यह जो बनावटी रोशनी जगाई जा रही है, वह दरअसल एक अंधेरा है। सच्चे लेखक और पाठक ही मिलकर इस अंधकार को मिटा सकते हैं। अगर साहित्य की आत्मा को जीवित रखना है, तो जरूरी है कि हम ऐसे नकली पुरस्कारों के खिलाफ आवाज उठाएं। यह न केवल लेखन की प्रतिष्ठा की रक्षा करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी सिखाएगा कि पुरस्कार नहीं, सृजन और संवेदना ही साहित्य की असली पूंजी है।

हम साहित्य के उस युग में प्रवेश कर रहे हैं जहां आत्मा से अधिक महत्वपूर्ण पुरस्कारों का बॉयोडेटा हो गया है। आवश्यकता है उस धैर्य, विवेक और विवेचना की जो सच्चे रचनाकार को भीतर से मजबूत करे। ऐसे माहौल में सच्चे साहित्यकारों का मौन अपराध होगा। वे ही यदि इन नकली मंचों को अस्वीकार करेंगे, तभी मूल्यों की पुनर्स्थापना संभव होगी। यह सिर्फ बहिष्कार नहीं, एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरूआत होगी। जहां पुरस्कार नहीं, विचारों की गूंज महत्वपूर्ण होगी। साहित्य की साधना को बचाने का यही समय है। आज नहीं बोले, तो कल शायद भाषा ही नहीं बचेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

राष्ट्रीय एकता का सूत्र अद्वैत

जीवन संघर्ष नहीं है। संघर्षपूर्ण जीवन तनाव देता है। पूरे जीवन को संघर्ष मानने का मूल द्वैतवाद है। द्वैतवाद का अर्थ है कि यहां इस जगत में दो प्रमुख पक्ष हैं। एक मैं हूं और दूसरा यह संसार। मैं हूं और दूसरे आप। मैं और तुम दो हैं। आध्यात्मिक तल पर ईश्वर एक है, दूसरा मैं हूं। भक्त और भगवान दो हैं। प्रकृति में प्रकाश और अंधकार का द्वैत है। शीत और ताप का द्वैत है। सब तरफ दो का दर्शन। सृष्टि में अनेक जीव हैं। वनस्पतियां हैं। सबके रूप भिन्न-भिन्न हैं। जैव विविधता खूबसूरत है। सामाजिक क्षेत्र में पंथिक विभाजन हैं।

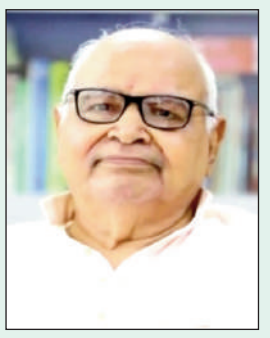

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स.)

आर्थिक आधार पर गरीब और धनी में द्वैत है। जाति विभाजन में द्वैत है ही। लेकिन भारत में इस द्वैत के भीतर अद्वैत के दर्शन का विकास हुआ। अद्वैत का अर्थ है दो नहीं। दसों दिशाओं में व्याप्त एक ही परम तत्व भिन्न-भिन्न रूपों में रूप प्रतिरूप हो रहा है। पूरे अस्तित्व को एक जानने की अनुभूति ऋग्वेद के रचनाकाल में प्रकट हुई। उपनिषदों में व्यापक हुई। ब्रह्मसूत्रों में सिद्धांत बनी। बादरायण ने व्यवस्था दी। शंकराचार्य ने अद्वैत दर्शन का अभियान बनाया। रूप, लिंग, कुल, वंश, विश्वास, पंथ के आधार पर विभक्त समाज को अविभक्त देखने की दृष्टि अद्वैत कही गई। यह दर्शन निर्विकल्प है।

शंकर के अद्वैत का मूल अर्थ है इस अस्तित्व का प्रत्येक रूप और अंश उस एक ब्रह्म का ही रूप है। बृहदारण्यक उपनिषद में बहुत खूबसूरत ढंग से पूर्ण का अर्थ समझाया गया है। ऋषि कहते हैं, "यह पूर्ण है। वह पूर्ण है। यह पूर्ण उस पूर्ण का विकास है। पूर्ण में पूर्ण घटाओ तो पूर्ण ही बचता है। पूर्ण से पूर्ण का गुणा करने पर भी पूर्ण पूर्ण ही रहता है।" बहुत आश्चर्यजनक है यह पूर्ण। इसी पूर्ण के बोध में आनंद ही आनंद है। आचार्य शंकर के शब्दों में कहें तो उपनिषदों का आनंद सच्चित आनंद है। यही सच्चिदानंद है। आनंद का अपना आनंद है।

तैत्तिरीय उपनिषद के ऋषि ने आनंद की मीमांसा की है और बताया है कि मनुष्य की तरुणाई, श्रेष्ठ आचरण, शील और बल संवृद्धि और धरती पर अधिकार यहां आनंद देता है। यहां आनंद के सारे स्रोत भौतिक हैं। ऋषि आगे जोड़ते हैं, "लेकिन इच्छारहित ज्ञानी को यह आनंद स्वाभाविक रूप से प्राप्त है।" फिर कहते हैं, "इस आनंद का 100 गुना आनंद गंधर्व आनंद है। गंधर्व आनंद संस्कृति का पर्यायवाची है। संस्कृति से जुड़े लोग साधारण मनुष्य की तुलना में 100 गुना आनंद पाते हैं।" लेकिन यह आनंद भी इच्छाशून्य ज्ञानी को स्वाभाविक रूप से प्राप्त है। आनंद के अनेक तल हैं। फिर पूर्वजों और पितरों के स्मरण को आनंदपूर्ण बताया गया है। यह भी अभिलाषाशून्य ज्ञानी को सहज प्राप्त है। आनंद अभीप्सु है। आनंद सब की प्यास है।

कठोपनिषद के ऋषि ने ठीक कहा है कि यह आत्मतत्व प्रवचन से नहीं मिलता और बुद्धि से भी नहीं। शंकराचार्य इसी ज्ञान को भारत के कोने-कोने तक पहुंचाने में संलग्न थे। उन्होंने अपने शिष्यों के साथ देश के प्रसिद्ध तीर्थों का दर्शन किया। तीर्थ केन्द्रों पर भी वेदांत विषय पर उन्होंने आमजनों का प्रबोधन किया और कड़ाई के साथ वैदिक परंपरा के विरोधियों की बातों का खंडन किया। उनके दिग्विजय अभियान में दक्षिण में सेतुबंध पहला पड़ाव था। मार्ग में उन्हें अनेक संतों विद्वानों से मिलने का अवसर मिला।

उन्होंने विद्वानों के प्रश्नों के उत्तर दिए। शंकर ने रामेश्वरम में पूजा की। फिर वह पांड्य और चोल क्षेत्रों की ओर बढ़े। जगह-जगह पर शास्त्रार्थ होते थे और वह सदाचरण व वेदांत को श्रेष्ठ बताते रहे। हस्तगिरि पर्वत पर अवस्थित कांचीनगर में आचार्य ने देवी के मंदिर की स्थापना की। फिर वे विदर्भ पहुंचे। राजा ने उनका स्वागत किया। वहां भैरवमातावनुयायियों की संख्या ज्यादा थी। आचार्य ने उन सबके बीच भी वेदांत दर्शन का विचार रखा। कर्नाटक प्रवास में आचार्य का सामना कापालिक मतानुयायियों से हुआ। इस मत का मुखिया आचार्य का विरोधी था। 'आदि शंकराचार्य जीवन और दर्शन' नामक पुस्तक में जयराम मिश्र ने लिखा है, "कापालिकों की पराजय हुई। आचार्य शंकर ने स्वयं भी महाकापाली भैरव की स्तुति की। फिर आचार्य पश्चिमी समुद्र के प्रसिद्ध तीर्थ गोकरना पहुंचे। शंकर और नीलकंठ का शास्त्रार्थ हुआ।"

नीलकंठ और आचार्य के मध्य हुआ प्रश्नोत्तर दर्शन की अमूल्य निधि है। अंततः नीलकंठ ने आचार्य का शिष्यत्व स्वीकार कर लिया। आचार्य शंकर ने शिष्यों के साथ सौराष्ट्र क्षेत्र का भी भ्रमण किया। अनेक स्थानों पर उन्होंने अद्वैत का प्रचार किया। विद्वानों ने उनकी प्रशंसा की। उन्होंने प्रसिद्ध नगरी द्वारिका में प्रवेश किया। यह वैष्णवों का गढ़ था। शंकर के तर्क स्वीकार्य योग्य माने गए। उन्होंने उज्जैनी की यात्रा में भी संवाद बनाया। वे शिष्यों को लेकर महाकाल मंदिर में पूजा अर्चना के लिए भी गए। भट्ट भास्कर उस क्षेत्र के प्रतिष्ठित विद्वान थे। उन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना की थी। शास्त्रार्थ के दौरान भट्ट भास्कर ने शंकर से सहमति व्यक्त की।

परम पूर्ण तत्व को अलग-अलग विभाजित देखना भ्रम है और एकात्म देखना सत्य है। आचार्य का जैन मतावलंबियों से भी शास्त्रार्थ हुआ और उन्होंने उनको भी अद्वैत से सहमत कराया। बौद्ध मतावलंबियों का प्रभुत्व अभी कम नहीं था। अनेक बौद्ध विद्वानों ने वैदिक धर्म स्वीकार कर लिया। वह जगन्नाथ पुरी भी गए। मगध मार्ग से जाते मगधपुर, यमस्तपुर आदि अनेक नगरों में बौद्धों का बहुमत रहा है। मगध में अनेक मत प्रचलित थे। उस समय कुबेर के उपासक, इन्द्र के उपासक और यम उपासक आदि अनेक मत थे। वह सब अपने को वेद का अनुयायी मानते थे। शंकराचार्य की अद्भुत प्रतिभा ने उनके अंधविश्वास दूर कर दिए।

आचार्य शंकर ने सनातन धर्म के सभी संप्रदायों का वैदिक दृष्टि से शुद्धिकरण किया। हिन्दू धर्म की कथित विभाजित प्रवृत्तियों को समन्वित रूप दिया। एक नया इतिहास गढ़ा। वे प्रयाग भी गए और वाराणसी भी। आचार्य शंकर प्रयाग से वाराणसी तक सात दिन में पहुंचे थे। काशी में उन्होंने महादेव विश्वनाथ के दर्शन किए। पूजा की। पूरब पश्चिम उत्तर दक्षिण आचार्य शंकर की धूम थी। वह उत्तर प्रदेश के नैमिषारण्य तीर्थ भी गए। यह प्राचीन काल से ही प्रतिष्ठित स्थान है। यह एक समय वैदिक संस्कृति का महत्वपूर्ण केन्द्र था। यहां कर्मकाण्ड की प्रधानता थी। वहां पहुंचने पर आचार्य को प्राचीन संस्कृति के कोई लक्षण नहीं दिखलायी पड़े। इससे वे बहुत दुखी हुए। वहां बौद्ध तांत्रिकों की प्रधानता थी।

आचार्य ने वहां कुछ दिनों तक निवास कर वेदान्त सिद्धान्त का प्रचार किया। उन्होंने इस बात को सप्रमाण सिद्ध किया कि गौतम बुद्ध के सारे सिद्धान्त अद्वैत-सिद्धान्त पर ही आश्रित हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि वहाँ के लोग वेदोक्त रीति से धर्म-कर्म में प्रवृत्त होकर उपासना में अनुरक्त हुए। इसी प्रकार अयोध्या में भी उनका प्रवास हुआ। उन्होंने बंगाल का भी भ्रमण किया था। राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता की नींव वैदिक ऋषियों ने रखी थी। शंकराचार्य ने आगे बढ़कर सांस्कृतिक एकता का विशाल भवन खड़ा किया। एक बार फिर जातिभेद, सांप्रदायिकता, आर्थिक गैरबराबरी, राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर आचार्य शंकर जैसे राष्ट्रव्यापी अभियान की आवश्यकता है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

हिन्दू साम्राज्य दिवस: भारत के स्वराज्य की हुंकार

लोकेन्द्र सिंह (हि.स.)

छत्रपति शिवाजी महाराज भारत की स्वतंत्रता के महान नायक हैं, जिन्होंने 'स्वराज्य' के लिए संगठित होना, लड़ना और जीतना सिखाया। मुगलों के लंबे शासन और अत्याचारों के कारण भारत का मूल समाज आत्मदैन्य की स्थिति में चला गया था। विशाल भारत के किसी न किसी भू-भाग पर मुगलों के शोषणकारी शासन से मुक्ति के लिए संघर्ष तो चल रहा था लेकिन उन संघर्षों से बहुत उम्मीद नहीं थी। भारत के वीर सपूत अपने प्राणों की बाजी तो लगा रहे थे लेकिन समाज को जागृत और संगठित करने का काम नहीं कर पा रहे थे। जबकि छत्रपति शिवाजी महाराज ने समाज के भीतर विश्वास जगाया कि हम मुगलों के शासन को जड़ से उखाड़ कर फेंक सकते हैं, यदि सब एकजुट हो जाएं। यही कारण है कि छत्रपति शिवाजी महाराज के देवलोक गमन के बाद भी 'हिन्दवी स्वराज्य' का विचार पल्लवित, पुष्पित और विस्तारित होता रहा। 'हिन्दू साम्राज्य दिवस' या 'श्रीशिव राज्याभिषेक दिवस' भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना है। इस घटना ने दुनिया को बताया कि भारत के भाग्य विधाता मुगल नहीं हैं। भारत का हिन्दू समाज ही भारत का भाग्य विधाता है। भारत में हिन्दुओं का राज्य है। उनके शासन का नाम है- 'हिन्दवी स्वराज्य।'

विक्रम संवत 1731, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को स्वराज्य के प्रणेता एवं महान हिन्दू राजा श्रीशिव छत्रपति के राज्याभिषेक और हिन्दू पद पादशाही की स्थापना से भारतीय इतिहास को नयी दिशा मिली। दासता के घोर अंधकार में स्वराज्य की एक चमकदार रोशनी था- हिन्दवी स्वराज्य। हिन्दू साम्राज्य दिवस को हम भारत के स्वराज्य की हुंकार भी कह सकते हैं, जब हिन्दुओं ने आत्मविश्वास से सीना ठोंककर मुगलों को ललकारा और कहा कि भारत में एक बार फिर स्वराज्य की स्थापना हो गई है, जिसमें सबका कल्याण है। अनेक इतिहासकार एवं विद्वान कहते हैं कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दवी स्वराज्य की स्थापना न की होती, तो भारत का इतिहास कुछ और होता। यह अतिशयोक्तिपूर्ण विचार नहीं है। अपितु भारत के पड़ोसी देशों एवं दूर-दराज के उन देशों की स्थिति को देखकर सहज कल्पना की जा सकती हैं, जहां मूल समाज की अपेक्षा बाहरी आक्रांताओं का शासन स्थायी हो गया। ऐसे देशों में वहां के मूल समाज की संस्कृति लगभग समाप्त हो गई है।

हम कल्पना ही कर सकते हैं कि जिस प्रकार के अत्याचार मुगल शासक भारत में कर रहे थे, उसके बाद हिन्दू समाज किस स्थिति को प्राप्त होता। प्रसिद्ध मराठा इतिहासकार जीएस सरदेसाई ने लिखा है कि 'मुस्लिम शासन के अधीन पूर्ण अंधकार छाया हुआ था। न कोई पूछताछ होती थी, न न्याय मिलता था। अधिकारी जो चाहें, वही करते थे। स्त्रियों के सम्मान का हनन, हत्याएं, हिंदुओं का जबरन धर्म परिवर्तन, उनके मंदिरों का विध्वंस, गायों का वध ऐसे घिनौने अत्याचार उस शासन में आम बात थे। निजामशाही ने तो खुलेआम जीजाबाई के पिता, उनके भाइयों और पुत्रों की हत्या कर दी थी। फलटन के बजाजी निंबालकर को जबरन मुसलमान बनाया गया। ऐसे अनगिनत उदाहरण दिए जा सकते हैं। हिंदू सम्मानजनक जीवन नहीं जी सकते थे। यही बातें थीं, जिन्होंने शिवाजी के भीतर धर्मसम्मत क्रोध जगा दिया। विद्रोह की प्रबल भावना ने उनके मन को पूरी तरह घेर लिया। उन्होंने तुरंत कार्य आरंभ कर दिया। उन्होंने मन ही मन सोचा, जिसके हाथ में शस्त्र की शक्ति है, उसे कोई भय नहीं होता, कोई कठिनाई नहीं आती।' औरंगजेब का शासन तो हिन्दुओं के लिए किसी नर्क से कम नहीं था।

मुगलों के अनीतिपूर्ण शासन के बरक्स छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य में लोकहित सर्वोपरि था। उन्होंने शासन को 'स्व' के आधार पर विकसित किया, इसलिए वह सबका अपना स्वराज्य था। महाराज ने राज्य के प्रत्येक तत्व यानी जल, जंगल, जमीन और जन के लिए नीतियां बनायीं। भारत की संस्कृति का संरक्षण किया। हिन्दू धर्म और उसके पवित्र स्थलों को प्राथमिकता दी। आज भी हम हिन्दू साम्राज्य को याद करते हैं, उसका कारण है कि वह सार्वकालिक एवं सार्वभौमिक है। प्रसिद्ध इतिहासकार जदुनाथ सरकार लिखते हैं कि 'शिवाजी के राजनीतिक आदर्श ऐसे थे जिन्हें हम आज भी बिना किसी परिवर्तन के स्वीकार कर सकते हैं। उनका उद्देश्य था अपने प्रजा को शांति देना, सभी जातियों और धर्मों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना, एक कल्याणकारी, सक्रिय और निष्पक्ष प्रशासनिक व्यवस्था स्थापित करना, व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नौसेना का विकास करना और मातृभूमि की रक्षा के लिए एक प्रशिक्षित सेना तैयार करना।'

छत्रपति शिवाजी महाराज की नीतियों पर चलकर हम आज भी एक श्रेष्ठ भारत का निर्माण कर सकते हैं। यह देखना सुखद है कि देश में ऐसी सरकार है, जो छत्रपति की स्वराज्य की अवधारणा में विश्वास करती है, उनको अपना आदर्श मानती है और उनके बनाए मार्ग पर चलने का प्रयास करती है।

(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।)

67.84 करोड़ रुपये की राहत महज माफी नहीं बल्कि अनुसूचित जाति भाईचारे के परिवारों के संघर्ष के प्रति सम्मान का प्रकटीकरण: भगवंत सिंह मान

कर्जे पर लकीर फेर कर मान-सम्मान बहाल किया, 'आप' सरकार ने एस.सी. भाईचारे का जीवन स्तर सुधारने के लिए नया अध्याय लिखा

संवाददाता
अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य के कमजोर और पिछड़े वर्गों की भलाई के लिए ईमानदारी से जुटी हुई है और इसमें कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही है।

आज यहां लाभार्थियों को कर्ज. माफी के प्रमाणपत्र सौंपने के लिए आयोजित समारोह के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आम आदमी को और अधिक सक्षम बनाने के लिए मिशनरी भावना से लोगों की सेवा कर रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार अपनी कलम का उपयोग समाज के जरूरतमंद और पिछड़े वर्गों की मदद के लिए कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों की अधिक से अधिक भलाई सुनिश्चित कर रही है ताकि समाज के हर वर्ग को इसका लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों द्वारा अमीर लोगों के कर्ज.माफ किए जाते थे जबकि गरीब लोगों की भलाई की कोई परवाह नहीं की जाती थी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब के इतिहास में पहली बार राज्य के पिछड़े और कमजोर वर्गों को यह राहत मिली है। उन्होंने कहा कि यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि पहली बार राज्य का बजट आम आदमी की भलाई के लिए रखा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सरकारी खजाने का एक-एक पैसा सार्वजनिक भलाई पर खर्च कर रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र को सबसे अधिक प्राथमिकता दे रही है क्योंकि इससे कमजोर और पिछड़े वर्गों की भलाई के लिए नए रास्ते खुलते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति की सफलता के लिए कुंजी है और राज्य के प्रत्येक युवा के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार के पास राज्य में शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए धन की कोई कमी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के दौरान सार्वजनिक भलाई वाले और खुशी के ऐसे कार्य बहुत कम होते थे। उन्होंने कहा कि अब एक नए युग की शुरूआत हुई है जब सरकार द्वारा आए दिन नए प्रोजेक्ट जनता को समर्पित किए जा रहे हैं और युवाओं को नौकरियाँ मिल रही हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह 'रंगला पंजाब' की झलक है और राज्य सरकार अब खुशी के ऐसे समारोहों के माध्यम से लोगों की सुविधा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 67.84 करोड़ रुपये की कर्ज.माफी से लगभग 4800 परिवारों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि पंजाब अनुसूचित जातियां भूमि विकास एवं वित्त निगम (पी.एस.सी.एफ.सी.) द्वारा 31 मार्च, 2020 तक बांटे गए कर्जों पर लकीर फेर दी गई है। उन्होंने बताया कि यह माफी पी.एस.सी.एफ.सी. द्वारा उपरोक्त तिथि तक बांटे गए सभी कर्जों के लिए है जिससे एस.सी. समुदाय और दिव्यांग वर्ग के कर्जदारों को अत्यधिक आवश्यक राहत मिली है। इस कदम से कुल 4,727 कर्जदारों को 67.84 करोड़ रुपये की कुल राशि का लाभ होगा।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि कुल 4,727 कर्जदार थे जिनमें 4,685 डिफॉल्ट कर्जदार और 42 नियमित कर्जदार हैं, इस कर्ज.माफी योजना के तहत आएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 'कोई आपत्ति नहीं' प्रमाण पत्र (नो ड्यू सर्टिफिकेट) जारी किए जाएंगे। प्रवक्ता ने आगे बताया कि 30 अप्रैल, 2025 तक गणना की गई मूल, ब्याज और दंड ब्याज सहित देय 67.84 करोड़ की पूरी राशि राज्य सरकार द्वारा पी.एस.सी.एफ.सी. को वापस की जाएगी।

उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन कर्जदारों ने पहले भी कर्ज.माफी योजनाओं का लाभ प्राप्त किया है, वे भी इस माफी योजना का लाभ लेने के लिए योग्य माने जाएंगे। उन्होंने कहा कि कर्ज.माफी के बाद पी.एस.सी.एफ.सी. के नियमों के तहत कर्ज.लेने वालों के विरुद्ध वसूली के लिए कोई कार्यवाही शुरू नहीं की जाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि कट-ऑफ तिथि तक उनके खातों को पूरी तरह से तय माना जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अनुसूचित जाति समुदाय की जनसंख्या पंजाब की कुल जनसंख्या का 31.94 प्रतिशत है। इस समुदाय के बहुत से सदस्यों ने अपनी आर्थिक तरक्की के उद्देश्य से स्वरोजगार का उद्यम स्थापित करने के लिए पी.एस.सी.एफ.सी. से कर्ज.लिया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि कुछ कर्जदार बाहरी परिस्थितियों के कारण कर्ज.वापस करने में असमर्थ रहे हैं, जिसके कारण वे डिफॉल्ट हो गए। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस माफी योजना के लागू होने से अनुसूचित जाति समुदाय के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और दिव्यांग वर्ग के 4,727 लाभार्थियों को 67.84 करोड़ की राहत मिलेगी जिसमें 30.02 करोड़ रुपये मूल राशि, 22.95 करोड़ रुपये ब्याज और 14.87 करोड़ रुपये का दंड ब्याज शामिल है (जो 30 अप्रैल, 2025 तक गणना किया गया है)।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का यह प्रयास उनके मान-सम्मान को बहाल करने और समाज में सम्मानजनक जीवन जीने के योग्य बनाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि इस माफी योजना के तहत लाभार्थी अपने परिवारों की सहायता के लिए नए उद्यम के वास्ते मुक्त वित्तीय स्त्रोतों का उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि कर्ज.माफी से पी.एस.सी.एफ.सी. को भविष्य में अनुसूचित जातियों के अन्य योग्य व्यक्तियों को नए कर्ज.देने में भी सक्षम बनाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना सिर्फ कर्ज.माफी तक सीमित नहीं है बल्कि समुदाय का मान-सम्मान बहाल करने, इंसाफ देने और नई शुरूआत के लिए अवसर प्रदान करती है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस कदम ने दशकों से कर्ज.के बोझ तले दबे परिवारों के लिए राहत और मान-सम्मान वाला जीवन जीने की नई शुरूआत की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये परिवार घर के कमाने वाले सदस्य का देहांत हो जाने, लंबी बीमारी के कारण सारी बचत खत्म हो जाने या आय का कोई अन्य साधन न होने जैसी परिस्थितियों के कारण अपने कर्ज.वापस नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मानना है कि ऐसे लोगों से इस कर्ज.की वसूली करना सरासर बेइंसाफी है जिसके कारण कर्ज. माफ करने का फैसला किया गया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह सिर्फ वादे ही नहीं करते बल्कि उन्हें पूरा भी करते हैं जबकि पिछली सरकारों ने अनुसूचित जाति समुदाय को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि आप सरकार अनुसूचित जाति समुदाय के परिवारों के दुख-दर्द को समझती है और उन्हें हमेशा बराबरी, बनते हक और मान-सम्मान दिया है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा, डॉ. बलजीत कौर, हरभजन सिंह ई.टी.ओ., लाल चंद कटारूचक्क और कुलदीप सिंह धालीवाल के अलावा अन्य शख्सियतें हाज़िर थीं।

गोरा बरियार कत्ल मामले में शामिल गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया का साथी बटाला से गिरफ़्तार

संवाददाता
चंडीगढ़

- प्राथमिक पूछताछ के मुताबिक जग्गू भगवानपुरिया के साथ लगातार संपर्क में था गिरफ्तार किया दोषी मसीहः डीजीपी गौरव यादव
- मामले में अगले-पिछले सम्बन्ध स्थापित करने के लिए और जांच जारीः ए. डी. जी. पी. ए. जी. टी. एफ. प्रमोद बाण

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता दर्ज करते हुये गैंगस्टर विरोधी टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.) पंजाब ने बटाला के घुमाण में हुई सनसनीखेज गोलीबारी की वारदात के सम्बन्ध में गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के करीबी साथी को गिरफ़्तार किया है। यह जानकारी डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने यहाँ रविवार को दी।

गिरफ़्तार किये गए मुलजिम की पहचान नेल्सन मसीह उर्फ सन्नी के तौर पर हुई है, जो गुरदासपुर के गाँव अठवाल का रहने वाला है। गिरफ़्तार किये गए मुलजिम का लम्बी आपराधिक पृष्ठभूमि है और वह कत्ल, इरादातन कत्ल, डकैती, लूटपाट और हथियार एक्ट का उल्लंघन समेत लगभग सात आपराधिक मामलों का सामना कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, 26 मई, 2025 की शाम को बटाला के गाँव घुमाण में, घुमाण से श्री हरगोबिन्दपुर सड़क पर स्थित पेट्रोल पंप के बाहर एक सनसनीखेज गोलीकांड हुआ था, जिस दौरान गुरप्रीत सिंह गोरा उर्फ गोरा बरियार की मौत हो गई थी और बिल्ला मंडियाला जख्मी हो गया था।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्राथमिक पूछताछ से पता लगा है कि गिरफ़्तार किया गया मुलजिम मसीह गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के लगातार संपर्क में था। उन्होंने बताया कि भगवानपुरिया के निदेर्शों पर कार्यवाही करते हुये मुलजिम मसीह ने गोरा बरियार के कत्ल की साजिश रची थी और अपने तीन साथियों के साथ मिलकर इस हमले को अंजाम दिया था।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में बाकी मुलजिमों की तलाश और गिरफ़्तारी के लिए और जांच जारी है। गिरफ़्तार व्यक्ति को आगे कार्यवाही के लिए बटाला पुलिस के हवाले कर दिया गया है। अतिरिक्त डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (एडीजीपी) एजीटीऐफ प्रमोद बाण ने कहा कि गोरा बरियार कत्ल केस में शामिल मुख्य मुलजिम की बटाला के अधिकार क्षेत्र में मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद एजीटीएफ की टीमों ने डीएसपी राजन परमिन्दर की निगरानी अधीन बटाला पुलिस की टीमों के साथ मिल कर खुफिया कार्यवाही को अंजाम दिया और दोषी व्यक्ति नेल्सन मसीह को गाँव शाहबाद नजदीक कादियाँ- बटाला सड़क से गिरफ़्तार कर लिया गया। एडीजीपी ने कहा कि इस मामले में अगले-पिछले सम्बन्ध स्थापित करने के लिए और जांच जारी है। इस संबंधी बटाला के पुलिस स्टेशन घुमाण में बीऐनऐस की धारा 103, 109, 111 और 61(2) और हथियार एक्ट की धारा 25 के अंतर्गत 26. 5. 25 को एफआईआर 89 के अधीन केस दर्ज किया गया था।

अकाली-भाजपा गठबंधन और कांग्रेसी सरकारों ने एससी को सिर्फ वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल किया: मान

संवाददाता
अमृतसर

- वजीफों में घोटाला कर-के एस.सी. विद्यार्थियों के अधिकारों पर डाका मारा
- विरोधी दलों के बच्चों को पहाड़ों के प्राइवेट स्कूल मिले, लेकिन हमें विरासत में सरकारी स्कूलों का कबाड़ फर्नीचर मिला-भगवंत मान द्वारा एस.सी. बच्चों के भविष्य से खेलने के लिए सख्त आलोचना

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों पर आर्थिक रूप से कमजोर और पिछड़े वर्गों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन स्वार्थी नेताओं ने अनुसूचित जातियों (एससी) समुदाय को हमेशा अपने वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया है।

आज यहां जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने पोस्ट मैट्रिक वजीफा योजना के तहत गरीब विद्यार्थियों की भलाई के लिए रखे पैसे को हड़प लिया था, वे अब कई स्वास्थ्य बीमारियों से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस लूट का पैसा अब अस्पतालों में उनके इलाज पर खर्च किया जा रहा है क्योंकि वे परमात्मा के रोष का सामना कर रहे हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य के ये शासक आम आदमी की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनहीन थे और उन्होंने हमेशा अनुसूचित जाति भाईचारे के साथ वोट बैंक वाला व्यवहार किया। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नेताओं ने अपने सरकारी पदों का दुरुपयोग करके बेशुमार दौलत इकट्ठी की और बड़े-बड़े महल बनाए थे। उन्होंने कहा कि इस महल की दीवारें ऊंची थीं और आम लोगों के लिए दरवाजे अक्सर बंद रहते थे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये नेता लोगों की पहुंच से बाहर रहे, जिसके कारण लोगों ने भी इन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के लोगों ने उन राजनीतिक पार्टियों को बुरी तरह नकार दिया जो हर पांच सालों के बाद उन्हें लूटने के लिए 'उतर काटो, मैं चढ़ूंगा' (एक को हटाकर दूसरा आना) की तरह आपस में मिलीभगत करके सत्ता हथियाती थीं। उन्होंने कहा कि इन नेताओं ने लंबे समय से लोगों को मूर्ख बनाया है, लेकिन अब लोग उनके दुष्प्रचार में नहीं आते। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन अहंकारी राजनेताओं ने हमेशा राज्य के लोगों को हल्के में लिया है, जिसके कारण उन्हें लोगों ने अंत में बाहर का रास्ता दिखा दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के कॉन्वेंट स्कूलों में पढ़े-लिखे नेताओं ने कभी भी राज्य में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि इसका एकमात्र कारण यह था कि उनके अपने बच्चे पहाड़ों के बड़े प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते थे जबकि सरकारी स्कूलों में सिर्फ साधारण परिवारों के बच्चे ही पढ़ते थे।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है कि आम घरों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके उनके जीवन को बदला जा सके।

संक्षिप्त-समाचार

युद्ध नशों विरुद्ध का 99वां दिनः 144 नशा तस्कर 6.7 किलो हेरोइन समेत काबू

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निदेर्शों पर राज्य में से नशों के मुकम्मल खात्मे के लिए शुरू की मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध के 99वें दिन पंजाब पुलिस ने रविवार को 144 नशा तस्करों को गिरफ़्तार किया और उनके कब्जे में से 6.7 किलोग्राम हेरोइन और 440 किलोग्राम भुक्की बरामद की। इससे सिर्फ.99 दिनों में गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या अब 16,492 हो गई है। यह कार्यवाही डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निदेर्शों पर राज्य के सभी 28 पुलिस जिलों में एक ही समय की गई। जिक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमीशनरों, डिप्टी कमीशनरों और सीनियर सुपरडैंट आफ पुलिस को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए कहा है। पंजाब सरकार ने नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी का गठन भी किया है। विवरण सांझे करते हुये विशेष डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 88 गजटिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1400 से अधिक पुलिस मुलाजिमों वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 479 स्थानों पर छापेमारी की, जिस दौरान राज्य भर में 107 एफआईआरज दर्ज की गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 541 शक्की व्यक्तियों की भी जांच की है। स्पैशल डीजीपी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य में से नशों के खात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति - इनफोरसमैंट, डी-एडिकशन और प्रीवेन्शन (ईडीपी) - लागू करने के साथ, पंजाब पुलिस ने नशा मुक्ति के हिस्से के तौर पर आज 89 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास इलाज करवाने के लिए राजी किया है।

एपिक लुधियाना के रियल एस्टेट उद्योग के लिए गेम चेंजर साबित होगा: सीबीओ मोना चड्ढा

लुधियाना। मोहाली में मुख्यालय वाली अनुभवी रियल एस्टेट विशेषज्ञों द्वारा संचालित एक गतिशील और इनोवेशन-आधारित रियल एस्टेट परामर्श और विकास फर्म, एपिके` रियल वेंचर्स ने लुधियाना में अपने परिचालन की शुरूआत की घोषणा की है। यह पंजाब और उत्तर भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र में क्रांति लाने के अपने मिशन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एपिके` रियल वेंचर्स ने लुधियाना के पखोवाल रोड स्थित शहीद भगत सिंह नगर में अपना ऑफिस खोला है। लुधियाना में एपिके` रियल वेंचर्स के प्रवेश की घोषणा मोना चड्ढा द्वारा की गई, जो इस क्षेत्र की रियल एस्टेट गतिशीलता पर एक प्रभावशाली और बहुमुखी पर्सनालिटी` हैं, जिन्होंने लुधियाना क्षेत्र के लिऐ एपिके ` रियल वेंचर्स के मुख्य व्यवसाय अधिकारी (सीबीओ) के रूप में पदभार संभाला है। मोना चड्ढा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, हमारा मिशन रियल एस्टेट बाजार में संरचना, इनसाइट्स और व्यावसायिकता लाना है, जिसमें अक्सर राजनीतिक गहराई और पारदर्शिता की कमी होती है। मोना ने कहा, एपिके ` एक गेम चेंजर साबित होने जा रहा है। उन्होंने आगे कहाः यह उद्यम बाजार की समझ, ग्राहक इनसाइट्स और प्रोफेशनल सेवाओं के दृष्टिकोण की मजबूत नींव पर आधारित है। यह समझते हुए कि रियल एस्टेट की बिक्री एक कला और विज्ञान दोनों है, हम अपने क्लाइंट्स के लिए` सेल्स की एक समर्पित टीम बनाएंगे। उन्होंने कहा, हमारा सेवा पोर्टफोलियो व्यापक है और इसमें आवासीय और कमर्शियल रियल्टी` परामर्श, रियल एस्टेट निवेश सलाह, परियोजना विकास और संपत्ति प्रबंधन, और गहन बाजार विश्लेषण जैसे समाधान शामिल हैं। मोना ने कहा, अपनी तरह का पहला मॉडल, एपिके ` बी-टू-बी और बी-टू-सी रियल एस्टेट सेवाओं के लिए एंड-टू-एंड समाधान पेश करेगा , जो पंजाब में इस पैमाने पर पहले कभी नहीं देखा गया है । मोना को हीरो रियल्टी, अंसल एपीआई और सिल्वरग्लेड्स जैसी शीर्ष रियल एस्टेट कंपनियों में उल्लेखनीय नेतृत्व का अनुभव है।

योगिंदर कंधारी की साहसिक नई पुस्तक ने 1989-90 की इंसर्जेन्सी पर फिर छेड़ी बहस

चंडीगढ़। भारत के सबसे दर्दनाक अध्यायों में से एक पर आधारित एक विचारोत्तेजक और गहन शोधपूर्ण पुस्तक कश्मीर इंसर्जेन्सीः स्टेट रिस्पॉन्स की डिकंस्ट्रक्टिंग झ 1989झ90 रिविजिटिंग, जिसे कर्नल (सेवानिवृत्त) योगिंदर कंधारी ने लिखा है, का आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में औपचारिक विमोचन किया गया। समारोह की अध्यक्षता थलसेना के पूर्व प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) वी. पी. मलिक, पीवीएसएम, एवीएसएम ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध लेखक और मोटिवेशनल स्पीकर कर्नल (सेवानिवृत्त) दलजीत सिंह चीमा (सेवानिवृत्त) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस पुस्तक का प्रकाशन व्हाइट फाल्कन पब्लिशिंग द्वारा किया गया है। कश्मीर में काउंटर-इंसर्जेन्सी ऑपरेशनों के दौरान प्राप्त प्रत्यक्ष अनुभवों, सूचना का अधिकार (फ्छक) के तहत प्राप्त दस्तावेजों और विशेष साक्षात्कारों पर आधारित, कंधारी की यह पुस्तक 1989झ90 की इंसर्जेन्सी की उत्पत्ति और उसके विकासक्रम का एक सशक्त और बेबाक चित्रण प्रस्तुत करती है। लेखक ने राज्य की निष्क्रियता, संस्थागत विफलताओं, खुफिया तंत्र की चूक और उस नैतिक शून्य की तीखी आलोचना की है, जिसने कश्मीरी पंडित समुदाय के सामूहिक विस्थापन को जन्म दिया-जिसे वे आधुनिक इतिहास के सबसे सफल नस्लीय सफाये (एथनिक क्लीनज़िंग) ऑपरेशनों में से एक मानते हैं।

अपने विरोधी को खत्म करने की योजना बना रहे थे गिरफ़्तार किये तीनों दोषी: डीजीपी गौरव यादव

श्री मुक्तसर साहिब से तीन कथित अपराधी गिरफ़्तार; 174 ग्राम हेरोइन, दो पिस्तौलें बरामद

संवाददाता
चंडीगढ़/ श्री मुक्तसर साहिब

- पुलिस को देख कर दोषियों ने भागने की कोशिश की, परन्तु पुलिस ने कर लिया काबूः ए. डी. जी. पी. प्रमोद बाण
- जांच के मुताबिक आपराधिक पृष्टभूमि वाले हैं तीनों ही दोषी; अन्य संबंधों की जांच की जा रही हैः एस. एस. पी. श्री मुक्तसर साहिब

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निदेर्शों पर अपराध मुक्त और सुरक्षित पंजाब को यकीनी बनाने के मद्देनजर चल रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता दर्ज करते हुये एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए.जी.टी.एफ.) पंजाब ने श्री मुक्तसर साहिब पुलिस के साथ एक सांझे आपरेशन में तीन कथित अपराधियों को गिरफ़्तार किया और उनके कब्जे में से दो .32 बोर पिस्तौलों सहित 10 जिंदा कारतूस और 174 ग्राम हेरोइन बरामद की है। यह जानकारी डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने रविवार को यहाँ दी।

गिरफ़्तार किये गए व्यक्तियों की पहचान गौरव कुमार उर्फ बिल्ला, विकासदीप सिंह और लवप्रीत सिंह, सभी निवासी श्री मुक्तसर साहिब, के तौर पर हुई है। तीनों ही मुलजिम बी. एन. एस. और हथियार एक्ट के अंतर्गत गंभीर अपराधों समेत कई आपराधिक मामलों में वांछित हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि मुलजिम गौरव उर्फ बिल्ला पुलिस स्टेशन सिटी मलोट में दर्ज एक मामले में भगौड़ा था, जबकि विकासदीप सिंह और लवप्रीत सिंह पुलिस स्टेशन सिटी श्री मुक्तसर साहिब में दर्ज कई मामलों में वांछित थे। उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि तीनों अपराधी अपने किसी विरोधी को खत्म करने की योजना बना रहे थे।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में अगले-पिछले सम्बन्ध स्थापित करने के लिए और जांच जारी है। आने वाले दिनों में और गिरफ़्तारियाँ और बरामदगियां होने की संभावना है। आपरेशन सम्बन्धी विवरण सांझे करते हुए अतिरिक्त डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (एडीजीपी) ए. जी. टी. एफ. प्रमोद बाण ने बताया कि पुलिस पार्टी ने तीनों मुलजिमों को फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे एक पोलीथीन बैग को फरोलते/तलाशी लेते हुये देखा। पुलिस को देख कर मुलजिमों ने मौके से भागने की कोशिश की, परन्तु पुलिस की मुस्तैदी स्वरूप मुलजिमों को जीटी रोड बठिंडा चौंक, मलोट के नजदीक काबू कर लिया गया। उन्होंने कहा कि उक्तों की तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे में से हेरोइन और गैर- कानूनी हथियार बरामद किये हैं।

सीनियर पुलिस सुपरडैंट (एसएसपी) श्री मुक्तसर साहिब अखिल चौधरी ने बताया कि इस सम्बन्धी ऐनडीपीऐस एक्ट की धारा 21(बी) और हथियार एक्ट की धारा 25 और 27 के अंतर्गत थाना सिटी मलोट में एक नया केस एफआईआर नंबर 92 तारीख 07. 06. 2025 को दर्ज किया गया है। इस सम्बन्धी अन्य आपराधिक कड़ियों और साथियों का पता लगाने के लिए आगे जांच जारी है।

डबल इंजन की सरकार में बेटी और व्यापारी दोनों सुरक्षित: मुख्यमंत्री योगी

पिछली सरकार सिर्फ महापुरुषों का अपमान करती थी: सीएम

एजेंसी (हि.स.)
औरैया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनपद के अजीतमल महाविद्यालय में विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 के क्रम में किसानों और आम जन को संबोधित करते हुए कहा कि मक्के की फसल का उत्पादन बढ़कर 05 लाख हेक्टेयर हुआ है। उसके लिए उन्होंने कृषि विभाग एवं कृषि वैज्ञानिकों का धन्यवाद।

उन्होंने कहा कि आज किसान मक्के की खेती से रुपए 01 लाख प्रति एकड़ से भी अधिक की आमदनी कर रहा है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने 2017 में 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया है और 15 लाख निजी ट्यूबवेल तथा फ्री बिजली प्रदान करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पी एम कुसुम योजना के तहत 01 लाख किसानों को सोलर पैनल की सुविधा प्रदान की। उन्होंने सपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पिछली सरकार सिर्फ महापुरुषों का

- प्रदेश में मक्के की फसल का उत्पादन बढ़कर 5 लाख हेक्टेयर हुआ

फोटोः हि.स.

अपमान करती थी वर्तमान सरकार ने लोकमता अहिल्याबाई होलकर के नाम पर मेडीकल कॉलेज का निर्माण कराया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने 08 लाख नौकरियां दी अकेले पुलिस विभाग में 2.16 लाख, शिक्षा विभाग में 1.60 लाख नौकरियां प्रदान करने का काम वर्तमान सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में बेटी और व्यापारी दोनों सुरक्षित हैं अगर किसी ने बुरी नजर डालनी चाही तो उसे पता होना चाहिए कि हो सकता है उसे अगले चौराहे पर यमराज खड़े मिल जाएं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने औरैया के लिए 272 करोड़ रुपए पुलिस लाइन, 151 करोड़ रुपए जालौन औरैया ब्रिज, 250 करोड़ जिला कोर्ट के लिए स्वीकृत किए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार 09 जून को अपने 11 वर्ष पूर्ण कर रही है आप सभी ऐसे ही डबल इंजन सरकार का सहयोग करते रहे सरकार आपके लिए पलक पांवड़े बिछाकर हमेशा तैयार खड़ी रहेगी। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मक्के की खेती के फायदों से किसानों को अवगत कराया और विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार और अधिक उन्नत वाले खाद्य बीज के लिए काम कर रही है।

सदर विधायिका गुड़िया कठेरिया ने कहा कि पूर्व की सरकारों में तो मंडी तक ले जाने में किसानों के टैक्टर तक चोरी हो जाते थे भाजपा सरकार में किसान खुशहाल है बहु बेटी और उसका सिंदूर सुरक्षित है। मुख्यमंत्री जी द्वारा नारायणी देवी को मिनी बीज किट, राजेश दीक्षित को 24 लाख का चैक, रेशू कुमारी को 05 लाख का चैक, सुमन को पी एम आवास का स्वीकृति पत्र, गुड्डी देवी को पंचायत कोष हेतु 10 लाख का चैक, कांति देवी को मृतक कृषक दुर्घटना हेतु 05 लाख का चैक एवं मान सिंह को घरौनी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रगतिशील किसान गौरव विश्नोई, मुकेश कटियार, आलोक, सुनील सिंह, श्री शंकर सिंह द्वारा अपनी आमदनी के बारे में विस्तार से बताया।

मुख्यमंत्री ने जनपद का हवाई सर्वेक्षण किया गया तथा स्टॉल का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी ने हल देकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। अंत में कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह ने सभी का धन्यवाद प्रस्तुत किया गया। उक्त अवसर पर औरैया की प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला, पूर्व सांसद राम शंकर कठेरिया, राज्यसभा सांसद गीता शाक्य, जिला अध्यक्ष भाजपा सर्वेश कठेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष कमल दोहरे, प्रमुख सचिव कृषि, अपर पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिरीक्षक हरीश चंद्र, अपर जिला अधिकारी महेंद्र पाल सिंह, कुलपति चन्द शेखर आजाद यूनिवर्सिटी आनंद कुमार सिंह सहित जनपद के विभिन्न अधिकारीगण तथा भारी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

योगी सरकार के आठ वर्षों में पूरी हुई 29 सिंचाई परियोजनाएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में जल संसाधनों के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। योगी सरकार ने हर खेत को पानी पहुंचाने के संकल्प को साकार करते हुए पिछले आठ वर्षों में 29 महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं को पूरा किया गया है। उक्त जानकारी रविवार को उप्र सिंचाई विभाग की ओर से दी गयी। उप्र सिंचाइ विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 29 महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं से प्रदेश के 43,53,850 किसानों को लाभ मिल रहा है। प्रदेश में 19,11,231 हेक्टेयर की सिंचन क्षमता में वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन 'हर खेत को पानी' की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके तहत पिछले आठ वर्षों में सात वृहद सिंचाई परियोजनाओं में बाणसागर नहर परियोजना, लहचूरा बांध परियोजना, पहाड़ी बांध परियोजना, सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना, अर्जुन सहायक नहर परियोजना, उत्तर प्रदेश वाटर रिस्ट्रक्चरिंग परियोजना फेज-2 और उमरहठ पम्प परियोजना द्वितीय चरण को पूरा किया गया है। इससे मीरजापुर, प्रयागराज, महोबा, हमीरपुर, बहराइच, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, बस्ती, गोरखपुर, महराजगंज, बांदा, अमेठी, रायबरेली, इटावा, एटा, कन्नौज, कानपुर देहात, कासगंज, कौशांबी, फतेहपुर, फरूर्खाबाद, फिरोजाबाद, बाराबंकी, मैनपुरी एवं ललितपुर के 42,28,355 किसानों को लाभ मिल रहा है। वहीं 18,41,932 हेक्टेयर सिंचन क्षमता में वृद्धि हुई है। पिछले आठ वर्षों में 16 मध्यम श्रेणी की सिंचाई परियोजनाएं पूरी की गईं। इनमें उटारी बांध परियोजना, मौदहा बांध नहर प्रणाली की क्षमता की पुर्नस्थापना, पहुंज बांध पुनरोद्धार परियोजना, गुंता बांध पुनरोद्धार रिस्टोरेशन या रेनोवेशन परियोजना, जमरार बांध नहर परियोजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय पथरई बांध परियोजना, भावनी बांध परियोजना, बंडई बांध परियोजना, रसिन बांध परियोजना, बबीना ब्लॉक के 15 ग्रामों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने की परियोजना, घोरी नहर के पुनरोद्धार परियोजना, लखेरी बांध के अवशेष कार्यों की परियोजना, जनपद रामपुर में नाहल बैराज की निर्माण तथा नाहल नहर प्रणाली की पुर्नस्थापना के कार्य की परियोजना, बडवार झील के गुरसंराय मुख्य नहर के 45 किमी से भरने के लिए फीडर चैनल परियोजना, कुलपहाड़ स्प्रिंक्लर सिंचाई परियोजना और जनपद महराजगंज स्थित रोहिन नदी पर रोहिन बैराज के निर्माण कार्य की परियोजना शामिल है। इससे उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड से जुड़े जिलों ललितपुर, हमीरपुर, झांसी, चित्रकूट (कर्बी), महोबा सहित मीरजापुर, रामपुर, महराजगंज के 97,312 किसानों को लाभ मिल रहा है। वहीं 64,104 हेक्टेयर सिंचन क्षमता में वृद्धि हुई है।

उत्तर ग्रीस में फिर महसूस किए गए भूकंप के झटके, माउंट एथोस क्षेत्र में दहशत का माहौल

एजेंसी (हि.स.)
एथेंस

ग्रीस के उत्तरी हिस्से में स्थित माउंट एथोस के ग्रीक ऑर्थोडॉक्स धार्मिक क्षेत्र में शनिवार को 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में भय और अफरा-तफरी मच गई। यह झटका पिछले चार दिनों में दूसरी बार महसूस किया गया है। एथेंस के जियोडायनैमिक्स संस्थान के अनुसार, यह भूकंप समुद्र के नीचे 12.5 किलोमीटर (7.7 मील) की गहराई में आया। इसका केंद्र हल्किडीकी प्रायद्वीप में स्थित कारायेस के उत्तर-पश्चिम में था, जो माउंट एथोस की प्रशासनिक राजधानी है। भूकंप के झटके आसपास के कई क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से महसूस किए गए। हालांकि, भूकंप से किसी बड़ी क्षति या जनहानि की खबर नहीं है।

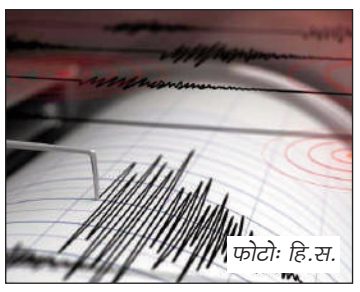
फोटोः हि.स.

माउंट एथोस के गवर्नर अल्किवियाडिस स्टेफनिस ने बताया कि सभी लोग सुरक्षित हैं और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि भूकंप के दौरान मठ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे एक व्यक्ति के गिरने से उसके हाथ में चोट आई है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। स्थानीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और एहतियातन सभी मठों और इमारतों की संरचनात्मक जांच भी की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, क्षेत्र की भूकंपीय सक्रियता को देखते हुए भविष्य में और झटकों की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

आपसी विवाद में पति ने तवे से की पत्नी की हत्या, आरोपति गरिफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर में पति ने अपनी पत्नी पर तवा से हमला कर हत्या कर दी। बच्ची का छट्ठी मनाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। इस विवाद के दौरान गुस्साए पति ने पास रखे रोटी बनाने के तवे से पत्नी के सिर और चेहरे पर वार कर दिया। पत्नी की गंभीर चोट के कारण मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना में मासूम दो माह की बच्ची के सिर से मां का साया उठ गया। इस घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपित पति को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार रविवार को सकरी थाना क्षेत्र के बहतराई में सुबह गौरीशंकर साहू (27) और उसकी पत्नी रत्ना साहू (25) के बीच दो माह के बच्ची का छट्ठी मनाने को लेकर आपसी विवाद हुआ। विवाद के दौरान पति ने गुस्से में आकर रोटी बनाने के तवा से पत्नी के चेहरे पर मार दिया। जिसमें उसकी मौत हो गई। वहीं मामले की जानकारी मिलते ही गांव भर में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने आरोपित गौतरिहा साहू को गिरफ्तार कर लिया है।

नेपाल के हवाईअड्डे का प्रयोग करते हुए चार महीने में 200 संदिग्ध भारतीय नागरिकों को विदेश भेजने का खुलासा

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का प्रयोग करते हुए पिछले चार महीने में 200 संदिग्ध भारतीय नागरिकों को विदेश भेजे जाने की बात जांच में सामने आई है। इनमें अधिकांश खालिस्तान समर्थक लोगों के होने की जानकारी मिली है।

नेपाल के गृहमंत्री रमेश लेखक जिस मानव तस्करी मामले में अभी घिरे हैं और विपक्ष की तरफ से उन पर इस्तीफे का दबाव दिया जा रहा है उस मामले की जांच कर रहे केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) ने कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। इस जांच से जुड़े एक वरिष्ठ जांच अधिकारी के मुताबिक हवाई अड्डे पर रहे इमिग्रेशन विभाग में मानव तस्करी का धंधा धड़ल्ले से चलाया जा रहा था और इसमें सिर्फ श्रमिक के रूप में विदेश जाने वाले लोग ही नहीं बल्कि संदिग्ध लोगों को भी भेजे जाने का खुलासा हुआ है।

फोटोः हि.स.

सीआईबी की तरफ से इस मामले की जांच को लेकर फिलहाल आधिकारिक रूप से कुछ भी नहीं कहा जा रहा है लेकिन जांच अधिकारी ने कुछ सनसनीखेज खुलासे किए हैं। अधिकारी ने बताया कि इमिग्रेशन का रिकॉर्ड खंगालने पर पिछले चार महीने में 200 से अधिक ऐसे भारतीय नागरिकों को विदेश भेजा गया जिनके पास भारतीय दूतावास का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं था।

जांच अधिकारी के मुताबिक जिन भारतीय नागरिकों को काठमांडू के एयरपोर्ट का प्रयोग कर अनाधिकृत रूप से विदेश भेजा गया उनमें लॉरेंस विश्नोई गैंग से जुड़े सदस्य से लेकर प्रतिबंधित खालिस्तानी समूह से जुड़े लोगों के भी शामिल होने की रिकॉर्ड देखा गया है। उन्होंने कहा कि विदेश भेजे गए भारतीय नागरिकों में कुछ ऐसे भी नागरिक शामिल हैं जिनको लेकर भारतीय खुफिया विभाग की तरफ से बकायदा लिखित रूप से नेपाली सुरक्षा अधिकारियों को जानकारी दी गई थी।

किसी भी भारतीय नागरिकों को नेपाल के विमानस्थल से किसी तीसरे देश में जाने के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से एनओसी लेना आवश्यक होता है। इसी तरह अगर भारत के तरफ से किसी भी व्यक्ति के बारे में जानकारी दी जाती है तो उसे भी रोकने का काम इमिग्रेशन का होता है पर इन दोनों की परवाह किए बिना नेपाल के एयरपोर्ट का दुरूपयोग किया गया है।

राष्ट्र को परमवैभव पर पहुंचाना लक्ष्य, हिन्दू बच्चों में संस्कार व परिवार में एकता जरूरी: डॉ भागवत

- कार्यकर्ता विकास वर्ग में डॉ भागवत ने स्वयंसेवकों से किया संवाद

एजेंसी (हि.स.)
कानपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत ने कहा कि राष्ट्र को परमवैभव पर पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए सभी हिन्दुओं को एकजुट होकर काम करना है। इसके लिए बच्चों में संस्कार और परिवार में एकता जरूरी है।

सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत को रविवार को नवाबगंज स्थित दीनदयाल विद्यालय में आयोजित कार्यकर्ता विकास वर्ग में स्वयंसेवकों को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व वह प्रातःकाल संघस्थान पर भी रहे। इस दौरान सरसंघचालक ने स्वयंसेवकों के शारीरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भी देखा। संवाद सत्र के

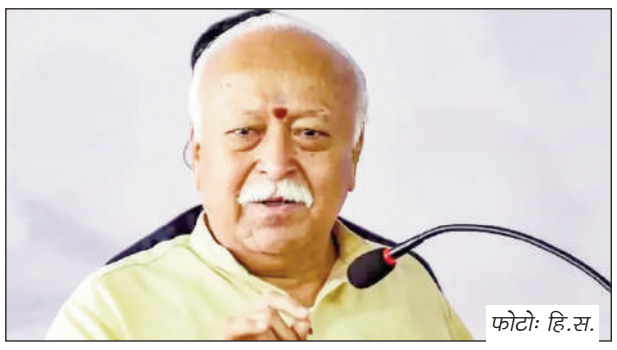
फोटोः हि.स.

दौरान डॉ भागवत नेस्वयं सेवकों से कहा कि राष्ट्र को परमवैभव पर पहुंचाना हमारा लक्ष्य है।

पंच परिवर्तन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि सभी हिंदुओं को एकजुट होकर काम करना है। ताकि घर के हर बच्चों में संस्कार और परिवार में एकता स्थापित हो सके। उन्होंने सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का जागरण और नागरिक कर्तव्य का पालन करने पर जोर दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख डॉक्टर अनुपम ने बताया कि सरसंघचालक ने प्रशिक्षण ले रहे 400 से अधिक स्वयंसेवकों को संघ का कार्य व विचार किस तरह से लोगों तक पहुंचाने को लेकर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने हिंदुओं को एक साथ रहकर संगठन को मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा डॉ भागवत ने शताब्दी वर्ष में शाखा विस्तार पर जोर दिया। सरसंघचालक सोमवार तक यहां प्रवास पर रहेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे ने फिट इंडिया साइकिल रैली का किया आयोजन

प्रयागराज। फिट इंडिया मिशन के अंतर्गत संडे ऑन साइकिल पहल को बढ़ावा देते हुए रविवार को उत्तर मध्य रेलवे द्वारा रेलगाँव, सुबेदारगंज, में एक विशेष साइकिल रैली का आयोजन किया गया। यह रैली 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्तर मध्य रेलवे महाप्रबंधक उपेन्द्र चंद्र जोशी एवं अन्य प्रधान विभागाध्यक्षों की उपस्थिति में किया गया। मिशन के महत्व पर बल देते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि फिट रहने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोग साइकिल चलाएं। इससे हमारे स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। प्रतिभागियों ने सुबह की ताजगी भरी हवा में साइकिल चलाते हुए 'स्वस्थ शरीर, स्वस्थ भारत' का संदेश दिया। इसे फिट इंडिया मिशन को जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प को भी दोहराया। उल्लेखनीय है कि 'साइकिल ऑन साइकिल' अभियान, जो 17 दिसम्बर 2024 को नई दिल्ली से केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री द्वारा प्रारंभ किया गया था, अब एक राष्ट्रीय जन आंदोलन का रूप ले चुका है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर प्रवास पर आएंगे केंद्रीय गृहमंत्री शाह, जवानों से करेंगे मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)
जगदलपुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबलों को लगातार मिल रही बड़ी कामयाबी को लेकर जहां दिल्ली में शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अधिकारियों को सम्मानित किया वहीं नक्सल अभियान में लगे जवानों को प्रोत्साहित और उनका हौसला बढ़ाने को जून के अंतिम सप्ताह में शाह बस्तर आएंगे। ताकि इन जवानों को ऐसे अभियानों के लिए नई ऊर्जा देने के साथ उनके मनोबल को और भी मजबूत किया जा सके। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अमित शाह के संभावित दौरे की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों ने बीते महीने अबूझमाड़ के घने जंगलों में हुई मुठभेड़ में माओवादी संगठन के शीर्ष कैडर के 10 करोड़ के इनामी कुख्यात नक्सली बसव राजू को ढेर किया था। इसके बाद से सुरक्षाबलों की कामयाबी का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह अब तक जारी है। सुरक्षाबलों ने बीती 5 जून को एक

फोटोः हि.स.

करोड़ के इनामी केंद्रीय समिति सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर और 6 जून को 45 लाख के इनामी भास्कर को भी मार गिराया था। इसके अलावा सात जून को 5 अन्य नक्सली भी इस कार्रवाई में ढेर किए गए हैं। सुरक्षाबल बरामद इन पांच अज्ञात नक्सली शवों की पहचान स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

इन बड़ी सफलताओं के बाद केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने दिल्ली में बीते शनिवार को पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों को सम्मानित किया और अब जवानों से मिलने स्वयं छत्तीसगढ़ के बस्तर के विशेष प्रवास पर आएंगे।

मुख्यमंत्री साय एवं मंत्रिमंडल का चिंतन शिविर 2.0 शुरू

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों का दो दिवसीय चिंतन शिविर 2.0 रविवार को आईआईएम रायपुर में प्रारंभ हो गया है। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन एवं अभिसरण विभाग द्वारा भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर (आईआईएम) के सहयोग से दो दिवसीय चिंतन शिविर 2.0 का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात आज 'परिवर्तनकारी नेतृत्व और दूरदर्शी शासन', संस्कृति, सुशासन और राष्ट्र निर्माण तथा सक्षमता से सततता तकः विकास के लिए सार्वजनिक वित्त पर पुनर्विचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सत्र का आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय शिविर के दौरान भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, प्रो. हिमांशु राय (डायरेक्टर आईआईएम इंदौर), डॉ. रविंद्र ढोलकिया (आईआईएम अहमदाबाद), संजीव सान्याल (प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद सदस्य), पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक उदय माहुरकर, ग्लोबल डिजिटल स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र प्रताप गुप्ता जैसे ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे।

'हिन्द दी चादर' नाटक के मंचन में मुख्यमंत्री बोले - आने वाली पीढ़ियों को देता रहेगा प्रेरणा

धर्म और मानवता के प्रतीक हैं गुरु तेग बहादुर: मुख्यमंत्री

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया, वह आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। यह नाटक केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि एक सजीव प्रेरणा का स्त्रोत है।

वह रविवार को दून मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम, पटेलनगर में आयोजित 'हिन्द दी चादर' नाटक के मंचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह नाटक गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान वर्ष को समर्पित था। इस नाटक का आयोजन उत्तराखंड सिख कोऑर्डिनेशन कमेटी और गुरु तेग बहादुर चैरिटेबल चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर के अद्वितीय बलिदान और धर्मरक्षा के योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए

फोटोः हि.स.

कहा कि उन्होंने उस समय प्राणों की आहुति दी, जब देश की संस्कृति, आस्था और आत्म सम्मान पर संकट गहराया हुआ था। उन्होंने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया, वह आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर को 'हिन्द दी चादर' यूं ही नहीं कहा गया। उन्होंने राष्ट्र की एकता, धर्म की स्वतंत्रता और सामाजिक समरसता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका साहस, बलिदान और उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने गुरु तेग बहादुर के 350वें बलिदान दिवस को राज्यभर में भव्य रूप से मनाने के दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि गोविंद घाट से हेमकुंड साहिब तक 12.5 किलोमीटर लंबे रोपवे का कार्य प्रगति पर है, जिससे श्रद्धालुओं को 45 मिनट में यात्रा सुलभ होगी।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर नाटक के आयोजकों और कलाकारों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस मंचन के माध्यम से युवा पीढ़ी को हमारे गौरवशाली इतिहास से जोड़ने का एक सशक्त प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और राज्य सरकार सिख समाज के हितों की रक्षा और उनके धार्मिक स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने करतारपुर कॉरिडोर, हरमंदिर साहिब को एफसीआरए पंजीकरण, वीर बाल दिवस की घोषणा, 1984 दंगा पीड़ितों को न्याय और हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना जैसे निर्णयों का उल्लेख करते हुए उन्हें ऐतिहासिक बताया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री स. मनजिंदर सिंह सिरसा, विधायक विनोद चमोली, गुरूदेव सिंह, नाटक मंचन के आयोजक एवं कलाकार उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

नेपाल टेलीकॉम के एमडी सहित 18 सरकारी कर्मियों के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा

काठमांडू। नेपाल के एंटी करप्शन ब्यूरो ने सरकारी टेलीकॉम कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर संगीता पहाड़ी सहित 18 कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके साथ ही सभी कर्मचारी स्वतः निलंबित हो गए हैं। नेपाल टेलीकॉम कंपनी के एमडी सहित इन कर्मचारियों पर करीब 33 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप है। टेलीकॉम की बिलिंग प्रणाली के लिए बिना टेंडर एक चाइनीज कंपनी एशिया इन्फो को मनमाने तरीके से ठेका दिए जाने का आरोप है। इसमें नेपाल टेलीकॉम को 33 करोड़ 48 लाख रुपए के घाटे की बात कही गई है।

जून में बिकवाल की भूमिका में एफपीआई, पहले सप्ताह 8,749 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली। लगातार दो महीने तक खरीदारी का जोर दिखाने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जून के महीने में बिकवाल की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। जून के पहले सप्ताह में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में 8,749 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। इसके पहले एफपीआई ने मई के महीने में स्टॉक मार्केट में 19,860 करोड़ रुपये की लिवाली की थी, जबकि अप्रैल के महीने में एफपीआई की लिवाली का आंकड़ा 4,223 करोड़ रुपये का था। अगर साल 2025 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के ओवरऑल कारोबार पर नजर डालें तो मार्च के महीने में एफपीआई ने 3,973 करोड़ रुपये की निकासी की थी, जबकि फरवरी में शुद्ध बिकवाली का आंकड़ा 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में सबसे अधिक 78,027 करोड़ रुपये का था। इस तरह जनवरी, फरवरी और मार्च में की गई बिकवाली और अप्रैल तथा मई में की गई खरीदारी को मिलाते हुए इस साल अभी तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों कि कुल निकासी का आंकड़ा 1.01 लाख करोड़ रुपये हो गया है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच एक बार फिर कारोबारी तनाव बढ़ता हुआ नजर आने लगा है। इसके साथ ही अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी आने के कारण भी बिकवाली का दबाव बढ़ गया है। दूसरी ओर, मंदी की आशंका को देखते हुए विदेशी निवेशक गोल्ड जैसे सेफ इन्वेस्टमेंट की ओर रुख कर रहे हैं। बाजार में जहां इन वजहों से दबाव की स्थिति बनी है, वही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती किए जाने से घरेलू निवेशकों के मन में उत्साह नजर आने लगा है। धामी का कहना है कि अमेरिका और चीन के संबंधों में सुधार की संभावना कम होती जा रही है। इस वजह से वैश्विक बाजार पर दबाव बढ़ गया है। अगर इन दोनों देशों के बीच के संबंधों में सुधार नहीं हुआ तो इसका प्रत्यक्ष फायदा भारत को मिल सकता है। हालांकि भारतीय बाजार में हाई वैल्यूएशन को लेकर चिंता लगातार बनी हुई है। अगर इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो ये भारतीय शेयर बाजार की बढ़त के लिए बाधक बन सकता है।

गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी के बीच ब्रह्मपुत्र नद में फिर से फेरी सेवा आरंभ

गुवाहाटी। राजधानी गुवाहाटी से ब्रह्मपुत्र नद दूसरे छोर पर स्थित उत्तर गुवाहाटी के बीच रविवार से एक बार फिर से फेरी (यंत्र चालित नाव) सेवा आरंभ हो गयी है। ज्ञात हो कि पिछले दिनों मूसलाधार बरसात के चलते ब्रह्मपुत्र नद का जलस्तर तेजी से बढ़ने लगा था, जिसको देखते हुए कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन ने नद में चलने वाली फेरी सेवा को अस्थायी रूप से अगले आदेश तक बंद कर दिया था। गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी के बीच बीते एक जून से फेरी सेवा को बंद किया गया था। अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग के अनुसार गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी के तीनों घाटों से अब फेरी सेवा का परिचालन हो रहा है। मध्य खंड के घाट से फेरी सेवा राजादुआर से संचालित होगी। फेरी सेवा के आरंभ होने से गुवाहाटी-उत्तर गुवाहाटी के बीच लोगों के लिए आवागमन आसान हो जाएगा। फेरी सेवा बंद होने के चलते आम लोगों को काफी लंबा चक्कर लगाना पड़ता था।

तेलंगाना मंत्रिमंडल विस्तार, तीन नए मंत्रियों ने ली शपथ

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी ने अपने मंत्रिमंडल का आज विस्तार किया। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने तीन नए लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल में 6 पद रिक्त हैं, लेकिन फिलहाल तीन लोगों को ही मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। रविवार को तेलंगाना मंत्रिमंडल के विस्तार के लिए राजभवन में दोपहर 12.19 बजे राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने तीन विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री रेड्डी की संस्तुति पर जिन लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई, उनमें जी विवेक, अदलुरी लक्ष्मण कुमार और वक्ति श्रीहरि ने नाम शामिल हैं। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के अलावा कई मंत्री और विधायक भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री रेवंथ रेड्डी ने लंबी विचार विमर्श के बाद एससी की उपजाति माला से विवेक, एससी की उपजाति मादिगा से लक्ष्मण और बीसी की मुदिराज उपजाति से श्रीहरि को मौका देने निर्णय लिया गया था। इन तीनों के मंत्री बनने के बाद कैबिनेट में अभी तीन और मंत्री पद खाली हैं। खबर है कि डिप्टी स्पीकर के तौर पर रामचंद्रू नायक के नाम पर मुहर लग गई है। मुख्यमंत्री ने इस मंत्रिमंडल विस्तार से सामाजिक समीकरणों को साधने का प्रयास किया है।

बेतवा नदी में नहाते समय दोस्तों की नदी में डूबने से मौत

जालौन। डकोर कोतवाली क्षेत्र में रविवार को शादी समारोह में शामिल होने आए युवक बारात में जाने से पहले बेतवा नदी में नहाने चले गए। नदी में नहाते समय दो दोस्तों की पानी में डूब कर मौत हो गई। मौत की खबर से शादी और मृतकों के परिजनों में मातम छा गया। एडीएम संजय सिंह ने बताया कि डकोर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कहटा गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने हमीरपुर जिले से कुछ लोग आए थे। उनमें दो युवक दोस्तों के साथ बेतवा नदी में नहाने चले गए। नहाते समय गहरे पानी में जाने से दो युवक नदी में डूब गए। हादसे की जानकारी मिलते ही युवकों के परिजन व पुलिस मौके पर पहुंचे।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25: नीदरलैंड के खिलाफ वापसी करने के लिए उतरेगी भारतीय टीम

शनिवार को नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था

- भारत 15 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर

एजेंसी (हि.स.)
एम्सटलवीन

फोटोः हि.स.

भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में नीदरलैंड के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में वापसी कर जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी।

भारतीय टीम को शनिवार को दुनिया की नंबर 1 टीम नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। पिछले मैच में टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए भारतीय टीम के हेड कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हमने पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तीसरा क्वार्टर उतना अच्छा नहीं रहा। चौथे क्वार्टर में हमने फिर से अच्छा प्रदर्शन किया और गेंद पर कब्जा जमाए रखा, लेकिन हम गोल पर कोई शॉट नहीं लगा पाए। इस तरह हारना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि मुझे लगा था कि हम ड्रॉ के लिए जोर लगा सकते हैं।

टीम के अगले मैच के लिए तैयार होने के साथ, फुल्टन ने अपनी टीम की मानसिकता पर टिप्पणी की और कहा, हम खुद को जितना संभव हो उतना कठिन बनाना चाहते हैं, खासकर नीदरलैंड जैसी टीम के खिलाफ। यह करीबी मुकाबला था और हमारे पास मौके थे, इसलिए हमें बस आगे बढ़ते रहना होगा। हमारे पास अभी सात और मैच हैं, इसलिए अभी लंबा रास्ता तय करना है।

उन्होंने कहा, हमें मैच की रिकॉर्डिंग देखनी होगी, खिलाड़ियों से बात करनी होगी। हमने क्या करने की कोशिश की, इस पर उनकी राय लेनी होगी और फिर देखना होगा कि हम कहां सुधार कर सकते हैं। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने भी इसी तरह की बात कही और कहा, पिछले मैच ने हमें सुधार के लिए स्पष्ट क्षेत्र दिए और एक इकाई के रूप में, हम जवाब देने के लिए तैयार हैं। हर कोई वापसी करने और नीदरलैंड जैसे चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वी को हराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। इस टीम में हर विरोधी को हराने की क्षमता है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम आगे आने वाले महत्वपूर्ण मैचों में मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

प्रतियोगिता में अभी सात मैच और खेले जाने हैं और भारत 15 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। भारत का लक्ष्य बाकी बचे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करना और चुनौतीपूर्ण प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ अधिकतम अंक हासिल करना होगा।

इंग्लैंड में आयोजित मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी20 सीरीज के लिए जयपुर में ट्रेनिंग कैंप शुरू

एजेंसी (हि.स.)
जयपुर

फोटोः हि.स.

भारतीय पुरुष मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 जून से शुरू हो रही सात मैचों की टी20 सीरीज से पहले रविवार को जयपुर में अपनी तैयारी का आगाज कर दिया है। सीरीज की शुरूआत 21 जून को इंग्लैंड के टॉनटन में मुकाबले से होगी। इसके बाद दूसरा टी20 मुकाबला 23 जून को वर्म्सले में शाम 5:00 बजे से खेला जाएगा। श्रृंखला का समापन 3 जुलाई को ब्रिस्टल में सातवें टी20 मैच के साथ होगा। जयपुर में चल रहे इस ट्रेनिंग कैंप में खिलाड़ी मुख्य कोच रोहित झालानी सहित अन्य प्रशिक्षकों की देखरेख में गहन बल्लेबाजी और गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं, ताकि वे तकनीक के साथ-साथ अपनी तैयारियों को और मजबूत कर सकें। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) द्वारा आयोजित यह कैंप 8 जून से 13 जून तक जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में आयोजित किया गया है। सभी चयनित खिलाड़ी जयपुर पहुंच चुके हैं और फिटनेस, मैच की तैयारी और टीम समन्वय पर केंद्रित गहन सत्रों में भाग ले रहे हैं। ट्रेनिंग के बारे में बताते हुए मुख्य कोच रोहित झालानी ने कहा कि यह कैंप हमारी तैयारियों के लिए बेहद अहम है। खिलाड़ी पूरा समर्पण दिखा रहे हैं, जिसके बाद मैं यह कह सकता हूं कि यह टीम इंग्लैंड के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार है। डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान ने कहा कि हम इंग्लैंड दौरे को लेकर बहुत उत्साहित हैं। हमें गर्व है कि हमारी टीम इंग्लैंड के मैदानों में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही है और इसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

भारतीय टीम

रविंद्र गोपीनाथ शांते (कप्तान) (पीडी), वीरेन्द्र सिंह (उप-कप्तान) (बधिर), राधिका प्रसाद (पीडी), राजेश इरप्पा कन्नूर (पीडी), योगेन्द्र सिंह (विकेटकीपर), नरेंद्र मंगोरे (पीडी), विक्रांत रविंद्र केनी (पीडी), साई आकाश (बधिर), उमर अशरफ (बधिर), संजू शर्मा (बधिर), अभिषेक सिंह (बधिर), विवेक कुमार (बधिर), विकास गणेशकुमार (आई), प्रवीण नैलवाल (आईडी), ऋषभ जैन (आईडी), तरुण (आईडी)

रिजर्व खिलाड़ीः माजिद मगरे (पीडी), कुलदीप सिंह (बधिर), कृष्णा गौड़ा (बधिर), जितेन्द्र नागराजू (पीडी)

सप्तक तलवार का स्विटजरलैंड में अच्छा प्रदर्शन जारी

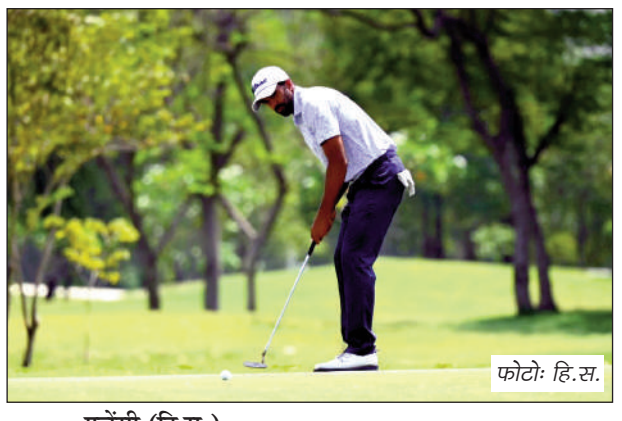
फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
ल्यूसर्न (स्विट्जरलैंड)

भारत के सप्तक तलवार ने अंतिम पांच होल में चार बर्डी के साथ तीसरे दौर में तीन अंडर 68 का कार्ड खेला जिससे वह यहां स्विस चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 16वें स्थान पर पहुंच गए। तलवार ने पहले दो दिन 69-69 का स्कोर बनाया था। तीसरे दौर के बाद उनका कुल स्कोर सात अंडर हो गया है और वह शीर्ष पर काबिज स्वीडन के टोबियास जोनसन से छह शॉट पीछे हैं, जिन्होंने तीसरे दिन 67 का स्कोर बनाया था। गोल्फ सेम्पाच में तलवार ने 13वें होल में दिन की एकमात्र बोगी की। इसके बाद उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करके आखिरी पांच होल में चार बर्डी लगाई। उन्होंने 14वें और 15वें होल और फिर 17वें और 18वें होल में भी लगातार बर्डी लगाई।

एमपीएल युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर दिखाने का एक सशक्त माध्यमः आलोक बिड़ला

एजेंसी (हि.स.)
ग्वालियर

फोटोः हि.स.

ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से शुरू हो रही मध्यप्रदेश लीग (एमपीएल) की टीम रीवा जैगुआर्स के मालिक आलोक बिड़ला का मानना है कि यह लीग उभरते क्रिकेटरों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर दिखाने का एक सशक्त माध्यम है। मध्य प्रदेश लीग की शुरूआत 12 जून से होने जा रही है। लीग में 7 पुरुष टीमें आपस में भिड़ेंगी। पहली बार महिला क्रिकेटर्स की 3 टीमें भी लीग में उतर रही हैं। लीग के सभी मैच श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में होंगे।

लीग की शुरूआत से पहले रीवा जैगुआर्स के मालिक बिड़ला ने कहा कि मैं एक ऐसी फ्रेंचाइजी बनाना चाहता हूं जहां खिलाड़ियों को उनके जीवनयापन के साथ-साथ उनके अवसरों में भी लाभ मिले, क्योंकि मेरी सोच सिर्फ एमपीएल में हिस्सा लेने की नहीं, बल्कि उन्हें मानसिक तथा शारीरिक रूप से फिट बनाना भी है। मेरा हमेशा से यह विचार रहा है कि अगर खिलाड़ी फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े रहते हैं तो वे और अधिक बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिंदगी में हर कोई एक ऐसा मौका चाहता है जहां वह अपनी प्रतिभा, कौशल और हुनर दिखा सके। फिर वह कोई भी क्षेत्र हो। तो मध्य प्रदेश लीग एक ऐसा मंच, एक ऐसा अवसर और एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां आप खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार कर सकते हैं।

खिलाड़ी शिवम शुक्ला का उदाहरण देते हुए बिड़ला ने कहा कि उन्होंने पिछले एमपीएल सीजन में शानदार प्रदर्शन किया और हाल ही में आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिप्लेसमेंट के रूप में चुने गए। कोई नहीं जानता था कि एमपीएल के पहले सीजन के बाद ही वह केकेआर का हिस्सा बन जाएंगे। यही कारण है कि हर कोई मध्य प्रदेश लीग में खेलने की इच्छा रखता है। यह मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा प्रदान किया गया ऐसा मंच है, जहां उन सभी युवा प्रतिभाओं के लिए अवसर हैं जो मध्य प्रदेश में जन्मे और पले-बढ़े हैं और क्रिकेट को अपना जीवन मानते हैं।

पुरुष टीमें

ग्वालियर चीता, भोपाल लेपर्ड्स, जबलपुर रॉयल लायंस, रीवा जैगुआर्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल्स, बुंदेलखंड बुल्स इस बार मध्य प्रदेश लीग के दूसरे सीजन में महिलाओं की लीग भी होगी। महिला लीग में चंबल घड़ियाल्स, भोपाल वुल्व्स और बुंदेलखंड बुल्स की टीमें भाग लेंगी।

असम के दो भारोत्तोलक भारतीय टीम में शामिल

शिवसागर (असम)। शिवसागर के भारोत्तोलक संघ के खिलाड़ी आईसेंग्फा गोगोई और पंचमी सोनोवाल ने भारत की टीम में स्थान प्राप्त किया। आगामी 1 से 10 जुलाई तक कजाकिस्तान में जूनियर एशियन गेम्स भारोत्तोलन चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें असम के ये दोनों खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वर्तमान में लखनऊ में प्रशिक्षण में व्यस्त ये दोनों खिलाड़ी शिवसागर के भारोत्तोलक संघ की देखरेख में 2022 से प्रशिक्षण कर रहे थे। 2025 में बिहार में आयोजित हुए राष्ट्रीय खेलो इंडिया में आईसेंग्फा गोगोई ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। भारतीय टीम में दोनों खिलाड़ियों के शामिल होने पर शिवसागर भारोत्तलन संघ ने नामती शहीद पियली फुकन महाविद्यालय के व्यायामशाला में दोनों खिलाड़ियों के माता-पिता को सम्मानित किया गया। दोनों खिलाड़ियों के प्रशिक्षक ने यह उम्मीद जताई है कि भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए निश्चित रूप से दोनों जीत हासिल करेंगे।

टैगर और मैकडोनाल्ड ने फ्रेंच ओपन जूनियर खिताब जीते

एजेंसी (हि.स.)
पेरिस

फोटोः हि.स.

ऑस्ट्रिया की लिली टैगर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एक भी सेट गंवाए बिना फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लड़कियों का एकल खिताब जीता। पहली बार फ्रेंच ओपन के जूनियर वर्ग में खेल रही 17 वर्षीय टैगर ने शनिवार को फाइनल में ब्रिटेन की आठवीं वरीयता प्राप्त हन्ना क्लुगमैन को 6-2, 6-0 से हराया। टैगर ने पांच ब्रेक प्वाइंट बचाए तथा 19 विनर्स लगाए।

वह फ्रेंच ओपन में जूनियर एकल खिताब जीतने वाली पहली ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी हैं। किसी बड़े टूर्नामेंट में उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचना था। लड़कों के एकल वर्ग के फाइनल में नील्स मैकडोनाल्ड ने जर्मनी के हम वतन खिलाड़ी मैक्स शोनेहॉस के खिलाफ तीन सेट तक चले मुकाबले में 6-7 (5), 6-0, 6-3 से जीत हासिल की।

मैकडोनाल्ड 2014 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जूनियर खिताब जीतने वाले अलेक्जेंडर जेवरेव के बाद जर्मनी के पहले ऐसे खिलाड़ी है जिन्होंने किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लड़कों का एकल खिताब जीता।

पेट की सेहत पर असर डालती हैं खानपान की आदतें

हम सभी को कभी न कभी अपच, गैस, पेट दर्द जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है। जिस समय पेट में दर्द होता है तो हमें बहुत असहज महसूस होता है। दर्द जब हद से ज्यादा बढ़ जाता है तो बेचैनी होने लगती है। कुछ समझ में नहीं आता क्या किया जाए? इस बार अगर आप पेट दर्द की समस्या से पीड़ित हों, तो घबराएं नहीं। दरअसल कई ऐसे समाधान मौजूद हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट दर्द से जल्दी ही निजात पा सकते हैं।

पेट में गैस बनने की वजहें

पेट में गैस बनने के कई कारण हो सकते हैं, जिसकी वजह बार-बार चाय पीना या दूध वाली चाय पीना या दूध पीने से भी पेट में दर्द होने लगती है और दर्द का कारण अकसर पेट में बनने वाली गैस होती है। जो लोग ज्यादा कॉफी का सेवन करते हैं, उन्हें भी गैस की समस्या अकसर होती है। ब्लैक कॉफी पीने की बजाय अगर उसमें थोड़ा दूध मिला दिया जाए तो गैस और पेट दर्द की समस्या से काफी हद तक निजात पाया जा सकता है।

खाली पेट रहना

हमारा पाचनतंत्र उस समय भी कार्यशील रहता है, जब हम कुछ भी नहीं खाते। हमारी पेट में कई स्वस्थ और अस्वस्थ बैक्टीरिया हर समय मौजूद रहते हैं, जिनकी वजह से पेट में गैस बनती है। पाचन क्रिया को सही रूप से चलाने के लिए पेट में मौजूद एसिड कार्यशील रहता है। अगर हम लगातार कई घंटों तक कुछ भी नहीं खाते हैं तो पेट में मौजूद एसिड और दूसरे बैक्टीरिया मिलकर पेट में गैस बनाने लगते हैं जिसकी वजह से ही हमारे पेट में दर्द होता है।

वायु बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ

बंद गोभी, पत्ता गोभी, ब्रोकली जैसी सब्जियां व राजमा, चना, उड़द, अरहर, लोबिया आदि कई दालें पेट में गैस पैदा करती हैं। इसलिए इन सब दाल-सब्जियों को दिन के समय खाना चाहिए, रात के समय नहीं खाना चाहिए।

खानपान की बुरी आदतें

हमारे खानपान की बुरी आदतें भी पेट में गैस और दर्द का कारण बनती हैं। खाना खाने के बाद हैवी स्नैक्स लेना या ऐसे फल खाना जो दिखने में सुपाच्य लगते हैं, लेकिन पेट में गैस बनने का कारण होते हैं। इन तमाम बातों के अलावा खाना खाते समय खाने को बिना चबाए निगलने से भी पेट में गैस बनने लगती है।

लैक्टोज इनटॉलेरेंस

कुछ लोगों का पाचन तंत्र दूध और डेयरी उत्पादों में मौजूद लैक्टोज को सही से नहीं पचा पाता। जब लैक्टोज पेट में अधपचा रह जाता है, तो आंतों में मौजूद बैक्टीरिया इसे तोड़ने लगते हैं, जिससे अत्यधिक गैस बनने लगती है। यह समस्या खासतौर पर उन लोगों में देखी जाती है जो दूध, दही, पनीर या क्रीम का अधिक सेवन करते हैं।

ज्यादा मात्रा में कोल्ड ड्रिंक्स और शराब

कोल्ड ड्रिंक्स, सोडा और शराब जैसी चीजों में कार्बन डाइऑक्साइड गैस होती है, जो पेट में जाकर अधिक गैस पैदा कर सकती है। इसके अलावा, ये पेय पदार्थ पेट में एसिडिटी को भी बढ़ाते हैं, जिससे गैस की समस्या और अधिक हो जाती है।

कब्ज

यदि पेट ठीक से साफ नहीं होता, तो आंतों में जमा मल से गैस बाहर नहीं निकल पाती और शरीर के अंदर ही फंसी रहती है। इससे पेट फूल सकता है, भारीपन महसूस हो सकता है और पेट में ऐंठन भी हो सकती है। कब्ज की समस्या होने पर आंतें सुस्त पड़ जाती हैं और भोजन लंबे समय तक पेट में बना रहता है, जिससे गैस बनने की संभावना बढ़ जाती है।

तुरंत आराम के लिए क्या करें

पेट में गैस बनने, दर्द होने की स्थिति में अदरक के टुकड़े को मुंह में रखकर चबाएं और इसके बाद थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें। पानी गर्म होना चाहिए या फिर थोड़े पानी में अदरक को उबालकर पीने से पेट में गैस की समस्या खत्म होती है।

पोदीना चाय

पोदीने की चाय पेट दर्द में काफी राहत दिलाती है। इसके अलावा मेथी के दानों को भिगोकर खाने से भी गैस से छुटकारा मिलता है। पेट में गैस बनने की स्थिति में सेंधे नमक को गर्म पानी में मिलाकर पीना चाहिए। जिन लोगों को पेट दर्द की अकसर शिकायत रहती है, उन्हें लंबे समय तक बिना खाये-पीये नहीं रहना चाहिए। वहीं पेट में हेल्दी बैक्टीरिया बढ़ाने के लिए प्रो-बायोटिक ड्रिंक लेते रहना चाहिए। यदि आपको लैक्टोज से एलर्जी है तो उसकी जगह पर एंजाइम्स लिए जा सकते हैं। वहीं ऐलोवेरा जेल को आधा चम्मच त्रिफला पाउडर में मिलाकर एक महीने तक प्रतिदिन रात को लेना चाहिए।

हल्का गर्म पानी पीएं

हल्का गर्म पानी काफी परेशानियों को दूर करने में काम आता है। लेकिन यह गैस और फुले हुए पेट को कम करने में सबसे ज्यादा फायदेमंद साबित होता है। अगर आप पेट में भारीपन या गैस जैसा महसूस करते हैं तो हल्का गर्म पानी पीया करें। रोज सुबह उठने के बाद खाली पेट दो से तीन ग्लास हल्का गर्म पानी पीजिए। इसके अलावा आप चाहें तो पूरे दिन भी हल्का गर्म पानी पी सकते हैं। यह गैस और पेट फूलने की समस्या को हमेशा के लिए खत्म कर देता है।

हल्का गर्म नींबू पानी

गैस बनने की वजह से पेट फूल जाता है जिसकी वजह से आपको परेशानियां शुरू हो जाती हैं। इस परेशानी को दूर करने के लिए आप हल्का गर्म पानी में नीबू का रस डालकर इसे पी सकते हैं। यह गैस की समस्या को दूर करने में सहायक साबित होता है। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपके पेट में गैस बनना बंद हो जाता है।

अजवाइन का सेवन करें

अजवाइन एक ऐसी चीज है जो हर किसी के घर में रहता ही है। गैस बनने और पेट फूलने की वजह से बेचैनी और चिड़चिड़ाहट होती है जिसकी वजह से आपका मूड हमेशा खराब ही रहता है। मूड खराब होने की वजह से आपके जीवन में क्लेश हो सकता है। इससे बचने के लिए आप अजवाइन का इस्तेमाल कर सकते हैं। थोड़ी अजवाइन को सेंधा नमक के साथ मिलाकर चबाएं और फिर हल्का गरम पानी पीएं। यह आपके गैस को खत्म करता है।

धूम्रपान से महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन का खतरा

सिगरेट के पैकेट पर भले ही यह वैधानिक चेतावनी होती है कि सिगरेट पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, इससे फेफड़े खराब हो सकते हैं। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। इसके बावजूद युवा वर्ग में इसकी लत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। साल 2022 में टोबैको कंट्रोल इन इंडिया की रिपोर्ट में हवाला दिया गया है कि देशभर में तंबाकू का सेवन करने वालों की संख्या में कमी आयी है। लेकिन बीड़ी या सिगरेट की खपत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। रिपोर्ट में इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त की गई कि कम उम्र की लड़कियों में लगातार सिगरेट पीने की लत बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2009 से 2019 के बीच स्मोकिंग करने वाले लड़के-लड़कियों की संख्या दस गुना हो गई है। साल 2009 में जहां 2.4 प्रतिशत लड़कियां सिगरेट पीती थीं, साल 2019 में यह दर बढ़कर दर 6.2 प्रतिशत हो गई है।

बराबरी की होड़ में लत

यह सर्वे भले ही पुराना है लेकिन इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि 2019 से 2025 तक इसमें और भी इजाफा हो चुका होगा। लड़कियों में तेजी से सिगरेट पीने की लत बढ़ रही है। इसके पीछे कई वजहें हैं। दरअसल पुरुषों के साथ बराबरी करने की होड़ में महिलाएं सिगरेट पीने को कूल समझती हैं। कई लड़कियां सिगरेट पीने वाले लड़कों से प्रभावित होती हैं और देखा-देखी वे भी सिगरेट पीने लगी हैं। तनाव, डिप्रेशन, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, शिक्षा में आने वाली चुनौतियों से उपजी चिंताओं की वजह से उनकी इस लत में लगातार इजाफा हो रहा है। कानूनन भले ही 18 साल से कम उम्र के लोगों को तंबाकू उत्पाद बेचना अपराध है, इसके बावजूद दुकानदार अपने फायदे के लिए धड़ल्ले से बच्चों को सिगरेट बेचते देखे जाते हैं।

छुटकारा पाना जरूरी

महिलाएं कथित प्रगति व बराबरी के नाम पर स्मोकिंग के चंगुल में फंस रही हैं, वे यह भूल रही हैं कि यह उनके स्वास्थ्य के लिए कितना खतरनाक है। स्मोकिंग करने वाले पुरुष और महिलाओं के रिप्रोडेक्टिव ऑर्गंस पर भी इसका बुरा असर होता है। महिलाओं पर चूंकि शिशु को जन्म देना और उसकी देखरेख करना जैसी एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। उनके लिए विशेष तौरपर स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाना जरूरी है। इसके अलावा सरकार को भी चाहिए कि तंबाकू उत्पादों पर टैक्स बढ़ाकर इसकी खपत में कमी लाएं और इसे हर किसी की पहुंच से बाहर रखने का प्रयास किया जाए। युवावर्ग को भी समझना चाहिए कि यह लत उनके लिए जानलेवा साबित हो सकती है और लंबे समय तक उन्हें इसके बुरे नतीजों को भुगतना पड़ सकता है। महिलाओं में पुरुषों की तुलना में धूम्रपान करना ज्यादा खतरनाक माना जाता है। इसके पीछे कई वैज्ञानिक और जैविक कारण हैं।

हार्मोनल असंतुलन और रोगों का जोखिम

महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजेन जैसे हार्मोन होते हैं, जो उनके दिल और हड्डियों की रक्षा का काम करते हैं। जो महिलाएं धूम्रपान करती हैं, निकोटिन और दूसरे अन्य रसायन इन हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ देते हैं, जिसके कारण उनमें हृदय रोग और ऑस्टियोपोरोसिस होने की आशंका बढ़ जाती हैं। विभिन्न अध्ययन पुष्टि करते हैं कि यदि महिला और पुरुष समान मात्रा में धूम्रपान करते हैं, तो पुरुषों की तुलना में महिलाओं को फेफड़ों का कैंसर होने की आशंका ज्यादा होती है। क्योंकि महिलाओं का श्वसन तंत्र पुरुषों की तुलना में ज्यादा संवेदनशील होता है। अधिक धूम्रपान से महिलाओं में मासिक चक्र से संबंधित अनियमितताएं होने की आशंका रहती है। इनफर्टिलिटी होने का खतरा बढ़ जाता है और मोनोपॉज भी जल्दी आ जाता है। महिलाओं में धूम्रपान करने में हृदय संबंधी बीमारियों का भी खतरा पुरुषों की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक होता है। इसके अलावा धूम्रपान उनकी त्वचा पर बुरा असर करता है, झुर्रियां जल्दी आती है, त्वचा की चमक खो जाती है।

धूम्रपान का भावी संतान पर असर

गर्भावस्था में धूम्रपान करना गर्भ में पल रहे शिशु के लिए बेहद खतरनाक होता है। इससे उसकी सेहत पर लंबे समय तक नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं, जैसे : गर्भपात का खतरा झ धूम्रपान से गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। इससे बच्चा समय से पहले पैदा हो सकता है। बच्चे का वजन कम होने के कारण वो बीमार और कमजोर भी पैदा हो सकता है। कम वजन : अगर महिला धूम्रपान करती है तो गर्भावस्था के दौरान शिशु को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिससे उसका वजन सामान्य से कम होता है। पैदा हुए बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती है। जन्मजात विकृतियां : धूम्रपान भ्रूण के विकास को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है।

आध्यात्मिक प्रगति को निखारने का अवसर गुरु पूर्णिमा महापर्व: सुधांशु जी महाराज

गुरु पूर्णिमा महापर्व पर सद्गुरु का दर्शन व पूजन पाप ताप गलाने का अवसर होता है

संवाददाता
पंचकूला

❍ शिवधाम आश्रम, पंचकूला में भक्तों का उमड़ा हुजूम

पंचकूला जिले में मोरनी हिल्स में निर्मित शिवधाम आश्रम में रविवार को सुधांशु महारा के दर्शन करने को हजारों गुरु भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा। सभी भक्त अपने पाप ताप के प्रायश्चित के लिए गुरु पूर्णिमा महोत्सव के पावन अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा सहित देश के अन्य राज्यों से भी आए।पूज्य श्री सुधांशु जी महाराज ने उपस्थित भक्तों को कहा कि गुरु पूर्णिमा पर्व पर अपनी पाप ताप प्रायश्चित करने, जीवन में नया नियम धारण करने, नई दृष्टि पाने के लिए तथा अपनी दिनचर्या व्यवस्थित हो, इसके लिए भक्त अपने सद्गुरु के पास जाकर खुद का नवीनीकरण का अवसर ढूंढता है, उसके जीवन में नित्य निरन्तर मजबूती आती है। परम पूज्य महाराजश्री जी ने आगे कहा कि जब हम दीपावली का पर्व आने के एक महीना पूर्व घर की साफ सफाई आन्तरिक एवं बाह्य रूप से करते हैं, उसी तरह भक्त भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव भी एक महीना पूर्व गुरुदेव के दर्शन करके खुद को तरोताजा एवं पारिवारिक खुशहाली की कामना करता है और सद्गुरु उन्हें आशीष देते हैं।

सुधांशु महाराज ने विशाल जन समुदाय बताया की विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए, ऋषियों के ज्ञान और दृष्टिकोण से अपने राष्ट्र धर्म और संस्कृति के लिए हरसंभव कार्य करने की प्रेरणा दी और कहा कि भाग्य निर्माण के लिए सेवा ही सबसे बड़ा तप है। अपनी किस्मत को चमकाने के लिए गुरु के मार्गदर्शन में हर कार्य श्रद्धापूर्वक करें। उन्होंने आदिनाथ भगवान शिव की कृपा भक्तों पर कैसे बरसती है इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि सच्ची खुशी भगवान शिव की कृपा से ही मिलती है। इस धरती पर भक्तों के कल्याण हेतु सद्गुरु अवतरित होते हैं।

जब हम दीपावली का पर्व आने के एक महीना पूर्व घर की साफ सफाई आन्तरिक एवं बाह्य रूप से करते हैं, उसी तरह भक्त भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव भी एक महीना पूर्व गुरुदेव के दर्शन करके खुद को तरोताजा एवं पारिवारिक खुशहाली की कामना करता है और सद्गुरु उन्हें आशीष देते हैं। गुरूजी ने नशा मुक्ति पर सन्देश देते हुए बताया कि आप कौआ के साथ बैठते है या हंस के साथ बैठते है। देखना आप को है कि जिसकी संगत करोगे वैसे ही असर देखने को मिलेगा इसलिए आध्यत्मिक, सादगी वाले लोगों से संगती चाहिए और किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए।

कार्यक्रम में महिला संकीर्तन मण्डल द्वारा गुरुपूर्णिमा के अवसर पर बजा लो ढ़ोल स्वागत में, मेरे गुरुदेव आएं हैं, जन्म जन्म का साथ है गुरुदेव से हमारा,,,, इत्यादि भजनों से गुरूजी की महिमा का गुणगान किया।

कार्यक्रम का समापन पूजन एवं गुरु महाआरती के साथ हुआ।महोत्सव का मंच संचालन नई दिल्ली से आए आचार्य अनिल झा जी ने किया। पूजन में सर्वश्री सौरभ गुप्ता, प्रधान, मनोज शास्त्री, संयोजक कार्यक्रम, आचार्य कुलदीप पाण्डेय एवं एन.के. गोयल के हाथों सम्पन्न हुआ। इस अवसर कार्यक्रम सजोयक मनोज शास्त्री ने बताया की स्वर्ण जयंती एवं विशाल सत्संग समारोह 30 अक्टूबर से 2, नवंबर तक का कार्यक्रम शालीमार ग्राउंड सेक्टर 5, पंचकूला मे होगा जिसमें हरियाणा, पंजाब व चंडीगढ़ के श्रद्धालु भाग लेंगे। कार्यक्रम उपरांत प्रसाद भंडारा वितरित किया गया।

काव्य संग्रह 'प्रेम विज की प्रतिनिधि कविताएं' का हुआ विमोचन

❍ प्रेम विज की प्रतिनिधि कविताओं में अनुभव की प्रमाणिकता मिलती है : डॉ मनमोहन सिंह

संवाददाता
चंडीगढ़

काव्य संग्रह 'प्रेम विज की प्रतिनिधि कविताएं' का विमोचन सैक्टर 43 ए में हुआ। इसका संपादन सुप्रसिद्ध साहित्यकार आचार्य राजेश कुमार ने किया है। कार्यक्रम का आयोजन संवाद साहित्य मंच और आचार्य कुल संस्था, चंडीगढ़ की ओर से किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्यकार जसवंत सिंह जफर, निदेशक भाषा विभाग पंजाब और अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार व चिंतक और चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह ने की। इस अवसर पर आचार्य कुल के अध्यक्ष के. के. शारदा, विद्या धाम यू. एस. ए की अध्यक्षा डॉ. सरिता मेहता और पार्षद प्रेमलता बतौर विशेष अतिथि उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन शायरा डॉ. संगीता शर्मा कुंद्रा 'गीत' ने किया और पुस्तक पर प्रपत्र कविवर डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पल्लवी रामपाल द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ तत्पश्चात पुस्तक का विमोचन हुआ।

पुस्तक पर प्रपत्र पढ़ते हुए डॉ. विनोद शर्मा ने सभी कविताओं का मूल्यांकन करते हुए कहा कि प्रेम विज की कविताएं सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत अनुभवों का जीवंत दस्तावेज है।उनकी कविताएँ शब्दों की बजाय संवेदनाओं से संवाद करती हैं। कविताओं में नारी व्यथा, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रकृति, देश प्रेम और वैचारिक सरोकार मिलते हैं। भाषा और भाव में गंभीरता है। के. के. शारदा ने कहा कि प्रेम विज की कविताएं नई पीढ़ी को प्रेरणा देंगी। अमेरिका से पधारी कवियत्री डॉ. सरिता मेहता ने कहा कि प्रेम विज की कविताओं में समाज की विषमताएँ मिलती हैं। शायर अशोक नादिर ने फरमाया कि प्रेम विज ने जो कुछ भी अपने आसपास देखा उसे इन कविताओं में व्यक्त किया है। मुख्य अतिथि के रूप में साहित्यकार जसवंत सिंह 'जफर' ने कहा की कविताओं में विविध विषय हैं। प्रकृति चित्रण काफी अच्छा लगा। अध्यक्षता करते हुए प्रसिद्ध कवि व चिंतक डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा कि प्रेम विज की कविताओं में प्रेम प्रमुख तत्व है। कविताओं में अनुभव की प्रमाणिकता मिलती है। इसके अलावा मिथक का सुंदर प्रयोग किया गया है। काव्य पाठ में पल्लवी रामपाल, परविंदर सोनी, डॉ. प्रज्ञा शारदा, अंजू मोदगिल, सुभाष शर्मा, डॉ. उमा शर्मा, राज विज, डॉ. संगीता शर्मा कुंद्रा 'गीत', डॉ. सरिता मेहता, पॉल अजनबी, आर. के. भगत, सतवंत कौर गिल, राजेंद्र सिंह, डॉ. विनोद शर्मा, राकेश शर्मा, प्रिं. बहादुर सिंह गोसल, विमला गुगलानी, नितिन रामपाल, प्रेमलता आदि ने कविताओं से खूब वाहावाही लूटी।

हिमाचल कल्याण सभा द्वारा कालका बस स्टैंड के सामने निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में लगाई गई ठंडे मीठे पानी की छबील

संवाददाता
कालका

निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के द्वारा शहर भर में छबील का आयोजन किया जा रहा है, जिससे लोगों को ठंडे पेय प्रदान करके उन्हें आजकल की भीषण गर्मी में राहत पहुंचाई जा सके। इसी उद्देश्य से हिमाचल कल्याण सभा कालका (रजि.) के द्वारा कालका बस स्टैंड के सामने ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई गई। सभा के सदस्यों ने ठंडा मीठा पानी राहगीरों को वितरित किया। सभा के प्रवक्ता ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार निर्जला एकादशी पर पानी पिलाने से पुण्य की प्राप्ति होती है।इस सेवा में सभा की ओर से डॉ आर एस राणा अध्यक्ष, डॉ पी एन शर्मा उपाध्यक्ष, चमन लाल प्रधान, एवं अन्य पदाधिकारी सी एस राणा, विजय ठाकुर, नरेश धीमान, नव जीवन धीमान, राजीव शर्मा, रविन्द्र पटियाल, रिखी राम, दीप सिंह ठाकुर, प्रेमी देवी आदि शामिल थे।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 के उपलक्ष्य में 109 प्रतिभागियों को करवाया गया योग प्रोटोकाल का अभ्यास

पंचकूला। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पंचकूला में होने वाले जिला स्तरीय योग दिवस समारोह के दृष्टिगत डा0 दिलीप कुमार मिश्रा, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, पंचकूला की अध्यक्षता में आज जिला पंचकूला के आर्ट आफ लिविंग, सैक्टर 2 पंचकूला में 109 प्रतिभागियों को योग प्रोटोकाल का अभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर सभी ने पूर्ण उत्साह से इस योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। इसी कार्यक्रम में आयुष विभाग के डा0 मोनिका, एचएमओ, डा0 शिल्पा, एच.एम.ओ. एवं डा हिमा, डीपीएम ने भाग लेते हुए पंचकूला के आर्ट आफ लिविंग, सैक्टर 2 पंचकूला में 109 को लगभग 15 पौधें भी वितरित किए गए। योग प्रोटोकाल का आंरभ प्रार्थना मंत्र के उच्चारण से किया गया। उसके बाद योग क्रियाओं का अभ्यास करवाते हुए इन यौगिक क्रियाओं द्वारा होने वाले लाभों की भी जानकारी दी गई।

पीजीआई में चौथी पोस्ट ग्रेजुएट अंतरराष्ट्रीय वैक्सीनोलॉजी कोर्स का आयोजन आज से

संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमआर), चंडीगढ़ का कम्युनिटी मेडिसिन एवं स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ विभाग 9 से 13 जून तक चौथी पोस्ट ग्रेजुएट अंतरराष्ट्रीय वैक्सीनोलॉजी कोर्स का आयोजन करेगा। यह पांच दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम प्रतिभागियों को वैक्सीनोलॉजी के क्षेत्र में उन्नत ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव देने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

कोर्स का उद्घाटन डॉ. विनोद कुमार पॉल, सदस्य, नीति आयोग मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे। डॉ. राजीव रघुवंशी, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया, इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि होंगे। आयोजन की जानकारी देते हुए आयोजन अध्यक्ष प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण अग्रवाल ने बताया कि इस कोर्स को विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों—जैसे मेडिकल, पब्लिक हेल्थ, इंटरनल मेडिसिन, माइक्रोबायोलॉजी, फामाकोलॉजी और बेसिक साइंसेज के विशेषज्ञों—की क्षमता निर्माण के लिए डिजाइन किया गया है।

कोर्स निदेशक प्रोफेसर मधु गुप्ता ने बताया कि इस कोर्स में कई महत्वपूर्ण विषय शामिल होंगे, जैसेः वैक्सीन विकास का परिचय और इतिहास, वैक्सीन की इम्यूनोलॉजी, वैक्सीन अनुसंधान में नियम और नैतिकता, वैक्सीन विकास की विभिन्न अवस्थाएं, राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रमों में वैक्सीन का परिचय और वर्तमान और नई वैक्सीन पर नवीनतम जानकारी शामिल हैं। इस कोर्स में दुनिया भर के प्रमुख विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। इनमें डॉ. स्टेनली प्लॉटकिन, जिन्हें आधुनिक वैक्सीनोलॉजी का जनक माना जाता है और जो यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया के प्रोफेसर एमेरिटस हैं, विशेष रूप से शामिल होंगे।

संक्षिप्त-समाचार

सेक्टर-17 पंचकूला एसीबी थाना के सामने पेड़ से लटका मिला अज्ञात युवक का शव

पंचकूला। रविवार सुबह पंचकूला के सेक्टर-17 स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो थाने के सामने एक पेड़ से अज्ञात युवक का शव लटका हुआ मिला। यह दृश्य देख राहगीरों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सेक्टर-16 पुलिस चौकी प्रभारी अपनी टीम सहित मौके पर पहुंचे और क्षेत्र को घेरते हुए शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस घटना के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहन जांच कर रही है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा गुमशुदगी की रिपोर्टों से मृतक की पहचान सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकूला भेज दिया गया है। जांच पूरी होने के बाद ही मृत्यु के कारणों पर स्पष्ट जानकारी दी जा सकेगी।

श्री माता मनसा देवी पर चोला अर्पित करने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू

पंचकूला। श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड की मुख्य प्रशासक एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के मंदिरों में चोला अर्पित करने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि 16 जून से 5 जुलाई के दौरान चोला अर्पित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के श्री माता मनसा देवी मुख्य मंदिर, पटियाला मन्दिर व सती मंदिर पंचकूला, श्री काली माता मंदिर कालका व श्री चण्डीमाता मंदिर, चण्डी मंदिर में देवी को चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाईन बुकिंग प्रक्रिया के माध्यम से माता को दिनांक 16 जून से 5 जुलाई की अवधि के दौरान चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाइन बुकिंग 11 जून प्रातः 10 बजे से 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि सभी इच्छुक श्रद्धालु लाभ उठाने के लिए पूजास्थल बोर्ड की वैबसाईट ६६६.ल्र्डीश्र.ड्ढ्र.ल्ल पर रजिस्ट्रेशन कर प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते है। इस वैबसाईट के होम पेज पर ही ऑनलाइन चोला बुकिंग लिंक पर जा कर सीधा चोला बुक किया जा सकता है।

ट्रिब्यूनल ने हादसे में मारे गए पांच श्रद्धालुओं के परिजनों को 4.20 करोड़ मुआवजा देने का आदेश

चंडीगढ़। पांच साल पहले उत्तराखंड के रास्ते में हुए दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले पंचकूला, मोहाली और चंडीगढ़ के पांच लोगों के परिवारों को अब न्याय मिला है। चंडीगढ़ की मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल (एमएसीटी) ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए पीड़ित परिवारों को कुल 4.20 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। हादसा 27 सितंबर 2019 को उस समय हुआ था, जब राकेश, गुरदीप, गुरप्रीत, तजिंदर सिंह और सुरिंदर कुमार अपने तीर्थ यात्रा के लिए टेंपो ट्रैवलर में हेमकुंड साहिब जा रहे थे। रास्ते में ऋषिकेश में रात बिताने के बाद अगले दिन सुबह उन्होंने यात्रा फिर शुरू की। लगभग 50 किलोमीटर चलने के बाद चाय के लिए रुकने पर स्थानीय लोगों ने ड्राइवर को आगे जाने से मना किया और भू-स्खलन और रास्ता बंद होने की चेतावनी दी। हालांकि ड्राइवर ने उनकी बातों को नजरअंदाज कर दिया और कहा कि वह रास्ते से भली-भांति परिचित है। इसी दौरान दोपहर करीब 1:35 बजे, जब वाहन हाईवे पुलिस चौकी के पास से गुजर रहा था, तभी पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर वाहन पर गिर गया, जिससे पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित परिवारों की ओर से अधिवक्ता सुनील कुमार दीक्षित के माध्यम से मोटर वाहन अधिनियम की धारा 166 के तहत ट्रिब्यूनल में याचिकाएं दायर की गईं। याचिकाकर्ताओं ने हादसे के लिए ड्राइवर की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। दूसरी ओर, वाहन मालिक ने कहा कि यह हादसा प्राकृतिक आपदा (एक्ट ऑफ गॉड) था, जबकि बीमा कंपनी ने दावा किया कि ड्राइवर के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस, गाड़ी की रजिस्ट्रेशन, फिटनेस और रूट परमिट नहीं थे।

बच्चों के चहुमुखी विकास के लिए अध्यात्म जरुरी

❍ अपने माता पिता की सेवा करने वाले बहुत ही भाग्यशाली होते हैं

संवाददाता
चंडीगढ़

सैक्टर 30 में स्थित सन्त निरंकारी सत्संग भवन में कल देर शाम हुए एरिया सैक्टर 45 के निरंकारी बाल समागम के अवसर पर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित बच्चों युवाओं और बड़ों को चंडीगढ के संयोजक श्री नवनीत पाठक जी ने बच्चों के चहुमुखी विकास के लिए अध्यात्म को अति जरुरी बताते हुए माता पिता के आदर सत्कार व सेवा के जज्बे पर जोर दिया।

अपने माता पिता की सेवा के बारे में प्रेरित करते हुए कहा कि अपने माता पिता का कर्ज.किसी भी सूरत में नहीं चुकाया जा सकता क्योंकि जन्म से ही माता-पिता द्वारा जो शिक्षाएं दी जाती हैं वो किसी अन्य के द्वारा नहीं दी जा सकती।हम चाहे बच्चे हैं या बड़े आज जो भी हमारी उपलब्धियां हें वह सब अपने माता-पिता की बदौलत होती है उनका भूल कर भी निरादर ना किया जाए। हर किसी को अपने माता-पिता की सेवा के लिए हर समय तैयार रहना चाहिए।जो जो भी उनकी सेवा करते हैं वह बहुत ही भाग्यशाली होते हैं।

सत्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज के प्रवचनों को दोहराते हुए श्री पाठक जी ने कहा कि यदि घर में हमारे माता पिता बिमार हैं और उन्हें हमारी सेवाओं की जरूरत है या उनको हमारे समय की जरूरत है उसकी बजाए हम यदि अन्य कोई समाज कल्याण के कार्य कर रहे हैं तो उससे हमें कोई लाभ होने वाला नहीं क्योंकि अपने माता पिता की सेवा ही सर्वोतम मानी गई है। मां की महत्वता की चर्चा करते हुए पाठक जी ने कहा कि जो दुख.दर्द अपने बच्चों के प्रति मां के दिल में परमात्मा ने भरा होता है वह किसी अन्य के दिल में नहीं हो सकता क्योंकि मां के द्वारा अपने बच्चों की सेवा बिल्कुल निस्वार्थ भाव से की जाती है। इसलिए सभी गुरूओं ने यही कहा है कि मां का स्थान कोई भी नहीं ले सकता। इससे पूर्व इस समागम मे विभिन्न भाषाओ का सहारा लेते हुए 5 साल से लेकर 14 साल तक के बच्चों ने गीतों, कविता, स्कीट व नृत्य आदि द्वारा निरंकारी सतगुरु माता सुदिक्षा जी महाराज की शिक्षाओं को जीवन में धारण करने की प्रेरणा दी।

चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों का योग शिविर

चंडीगढ़। ऐसे मौके पर जब कुछ दिन बाद विश्व योग दिवस के लिए पूरी दुनिया योगमय होने वाली है, चंडीगढ़ के मीडिया कर्मी भी प्रेस क्लब प्रांगण में योगमय जीवन का हिस्सा बन रहे हैं। इस दो सप्ताह के शिविर में योग का प्रशिक्षण दे रहे आचार्य बलविंदर ने इस मौके पर कहा आज के आपाधापी के युग में जब हमारी दिनचर्या बदली है, खानपान दूषित है और हवा प्रदूषित है, योगमय जीवन हमारे स्वास्थ्य की गारंटी है। खासकर मीडियाकर्मी जो लगातार तरह-तरह के दबाव व देर रात तक काम करते हैं, उनके लिये योग वरदान है। ढाई दशक से प्रेस क्लब में योग सिखा रहे आचार्य बलविंदर इस मौके पर योगमय जीवन शैली पर बल दिया। सेक्टर 27 स्थित प्रेस क्लब परिसर में आयोजित शिविर में प्रेस क्लब प्रेस प्रेजीडेंट सौरभ दुग्गल ने कहा कि समाचार संकलन व सृजन से जुड़े मीडियाकर्मियों को योग को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। इससे कई तरह के तनाव व देर रात तक काम करने से उपजे रोगों से बचाव हो सकता है। उन्होंने योग दिवस 21 जून को शिविर समापन पर विशेष आयोजन की बात कही।

गर्मी ने बरसाया कहर, अगले पांच दिन दिखेगा हीट वेव का प्रकोप

संवाददाता
चंडीगढ़

जून का पहला हफ्ता बीत चुका है और अब मौसम ने करवट ले ली है। पंजाब और चंडीगढ़ में इस समय तेज गर्मी का दौर शुरू हो गया है। मौसम विभाग ने 9 जून से 11 जून तक हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। ऐसे में अगले कुछ दिनों में लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। मौसम विभाग का कहना है कि इस दौरान अधिकतम तापमान 41 से 43 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। शनिवार को चंडीगढ़ का अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से करीब 1 डिग्री ज्यादा था। न्यूनतम तापमान भी 27.1 डिग्री रहा, जो सामान्य से थोड़ा अधिक है। रविवार को तापमान में और इजाफा हुआ। मौसम विभाग के बुलेटिन के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा था। वहीं, न्यूनतम तापमान 28.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 2.5 डिग्री अधिक था। ऐसे में साफ है कि चंडीगढ़ समेत पूरे इलाके में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है।

उद्घाटन

मौलीजागरां कॉलोनी रहेगी सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में

मनीष तिवारी और एचएस लक्की ने किया विकास कार्यों का शुभारंभ

❍ अपराधों पर अंकुश लगाना और महिलाओं, बच्चों तथा वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना रहेगा उद्देश्य

संवाददाता
चंडीगढ़

शहर की सुरक्षा और नागरिक संवाद को मजबूत करने की दिशा में चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एचएस लक्की ने रविवार को शहर में कई कार्यक्रमों में भाग लिया और महत्वपूर्ण विकास कार्यों की शुरूआत की। दिन की शुरूआत मौलीजागरां कॉलोनी में नवीन सीसीटीवी कैमरों के उद्घाटन से हुई। स्थानीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाले इस कदम का उद्देश्य अपराधों पर अंकुश लगाना और महिलाओं, बच्चों तथा वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। उद्घाटन समारोह में एचएस लक्की के साथ जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत ढिल्लों, कॉलोनी सेल अध्यक्ष मुकेश राय, स्थानीय निवासी और पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

इसके पश्चात सांसद मनीष तिवारी और एचएस लक्की डड्डूमाजरा कॉलोनी पहुंचे, जहां उनके सांसद कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कांग्रेस नेता ममता डोगरा और ब्लॉक अध्यक्ष हरजिंदर सिंह प्रिंस द्वारा एक जनसभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में स्थानीय जनता ने गर्मजोशी से तिवारी का स्वागत किया और संसद में लगातार उनकी आवाज बनने के लिए आभार प्रकट किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष लक्की ने मनीष तिवारी के कामकाज की सराहना करते हुए कहा, 'उन्होंने जहां अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की दोहरी नीति को उजागर किया, वहीं संसद में चंडीगढ़ के नागरिकों की वर्षों पुरानी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया।' इस अवसर पर सांसद तिवारी ने जनता का धन्यवाद करते हुए कहा, 'आपके विश्वास और समर्थन के लिए मैं दिल से आभारी हूँ। पारदर्शिता, विकास और समस्याओं के समाधान के लिए मेरा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।' कार्यक्रम में सीनियर डिप्टी मेयर जसबीर बंटी, डिप्टी मेयर तरूणा मेहता, पूर्व मेयर रविंदर पाली, पार्षद चंद्रमुखी शर्मा, पवन देवान, वसीम मीर सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन चंडीगढ़ को और अधिक सुरक्षित, सशक्त और समावेशी शहर बनाने के लिए जनता से सतत संवाद बनाए रखने के संकल्प के साथ किया गया।

नगर निगम ने मनीमाजरा में निरंकारी भवन के पास अवैध झुग्गियों को ध्वस्त किया

संवाददाता
चंडीगढ़

नगर निगम चंडीगढ़ ने अवैध कब्जों और अतिक्रमण को हटाने के अपने लगातार प्रयासों के तहत शनिवार को बड़ा अभियान चलाया। इस अभियान में मनीमाजरा के मौली लिंक रोड स्थित निरंकारी भवन के पास बनी अवैध झुग्गियों और कच्चे घरों को ध्वस्त किया गया।

नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, के स्पष्ट निर्देशों के तहत नगर निगम की प्रवर्तन शाखा और इंजीनियरिंग टीम ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की। पॉकेट नंबर-6 मनीमाजरा में अवैध रूप से बनाए गए कई झुग्गियों और अस्थाई घरों को गिरा दिया गया।इन अतिक्रमणों से न केवल सार्वजनिक रास्तों पर बाधा उत्पन्न हो रही थी, बल्कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा, स्वच्छता और क्षेत्र के बुनियादी ढांचे पर भी बुरा असर पड़ रहा था।

अभियान के दौरान स्थानीय पुलिस की मदद ली गई और वरिष्ठ निगम अधिकारियों की उपस्थिति में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्वक और सुरक्षित तरीके से पूरी की गई। इसके लिए सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। आयुक्त ने कहा कि नगर निगम किसी भी तरह के अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं करेगा और इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सार्वजनिक जमीन का उपयोग योजनाबद्ध विकास और जनकल्याण के लिए होना चाहिए। नगर निगम ऐसे किसी भी अतिक्रमण को हटाकर लोगों को साफ-सुथरा और व्यवस्थित वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। नगर निगम ने इस दौरान लोगों से अपील की कि वे सार्वजनिक जगहों पर अतिक्रमण से बचें और शहर की स्वच्छता, व्यवस्था और सुनियोजित विकास के लिए प्रशासन का सहयोग करें।